RNI N.- BIHBIL/2022/88070 राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र www.bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 6 , अंकः289, शुक्रवार, 31 अक्टूबर 2025 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

जिले के 21 प्रखंडों में हुआ सिंथेटिक पाराथराइड दवा का छिड़काव 03

प्रधानमंत्री मोदी को नुक्कड़ सभा करना शोभा नहीं देता : राबड़ी देवी 04

'कल्कि 2898 एडी' के OTT क्रेडिट्स से दीपिका का नाम हटा 07

चाबहार पर भारत की बड़ी जीत, यूएस ने बढ़ाई छूट

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत को एक बड़ी कूटनीतिक सफलता मिली है। अमेरिका ने ईरान स्थित चाबहार पोर्ट परियोजना के लिए प्रतिबंधों से छूट की अवधि को अप्रैल 2026 तक बढ़ा दिया है, जिससे भारत को मध्य एशिया और अफगानिस्तान तक अपनी कनेक्टिविटी योजनाओं को जारी रखने में बड़ी राहत मिली है। यह छूट पहली बार 2018 में ईरान फ्रीडम एंड काउंटर-प्रोलिफरेशन एक्ट के तहत दी गई थी। हाल ही में जब अमेरिका ने इस छूट को रद्द करने के संकेत दिए थे, तो नई दिल्ली में चिंता बढ़ गई थी लेकिन अब ताजा विस्तार के साथ भारत पोर्ट के संचालन को बिना किसी तत्काल अमेरिकी प्रतिबंध के डर के जारी रख सकेगा।

चाबहार पोर्ट ईरान के दक्षिण-पूर्वी तट पर गल्फ ऑफ ओमान के किनारे स्थित है और यह ईरान का एकमात्र महासागर से जुड़ा बंदरगाह है। यह भारत, ईरान और अफगानिस्तान के बीच एक रणनीतिक गलियारा बन गया है। यह बंदरगाह पाकिस्तान को बायपास करते हुए भारत को अफगानिस्तान और मध्य एशिया से जोड़ता है। भारत ने अब तक अफगानिस्तान को गेहूं और यूरिया की कई खेपें चाबहार के रास्ते भेजी हैं, जो मानवीय सहायता के तौर पर वहां पहुंचाई गईं। मई 2024 में भारत और ईरान के बीच 10 साल का समझौता हुआ था, जिसके तहत भारत ने चाबहार के शहीद बेहेश्ती टर्मिनल के विकास में अब तक 120 मिलियन डॉलर का निवेश किया है।

अप्रैल 2026 तक नहीं लगेंगे प्रतिबंध, यूएस का ऐलान

'गोल्डन गेट' के रूप में उभरता चाबहार

चाबहार पोर्ट अफगान सीमा से लगभग 950 किलोमीटर दूर है और इसे भारत द्वारा गोल्डन गेट के रूप में देखा जाता है- ऐसा प्रवेशद्वार जो स्थल-रुद्ध देशों को अंतरराष्ट्रीय व्यापार के लिए भारतीय महासागर से जोड़ता है। यह निर्णय भारत-अमेरिका संबंधों में संतुलन बनाए रखने की दिशा में एक सकारात्मक कदम है। अमेरिका, जहां ईरान पर अपने प्रतिबंधों को लेकर सख्त नीति अपनाता है, वहीं भारत की रणनीतिक और मानवीय आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए इस परियोजना को छूट देता रहा है।

एनडीए को जिताएं कि इटली तक लगे झटका

- लालू के जंगलराज में हुई 32 हजार किडनैपिंग
- राहुल ने प्रचार में छठ मइया का अपमान किया

पटना (एजेंसी)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने लखीसराय में ;चुनावी सभा को संबोधित किया। शाह ने कहा कि राहुल बाबा ने बिहार में आकर छठ मइया का अपमान किया है। बिहार के लोग इसका बदला लेंगे। राहुल बाबा छठ मइया को आप और आपकी माता जी नहीं समझ पाएंगी। आपके कार्यकर्ताओं ने मोदी जी की माता जी को अपमानित किया और आपने छठ मइया का अपमान किया है। ये बिहार है जब 14 तारीख को डब्बे खुलेंगे, दूर-दूर तक एनडीए होगा। अमित शाह ने कहा कि बिहार में

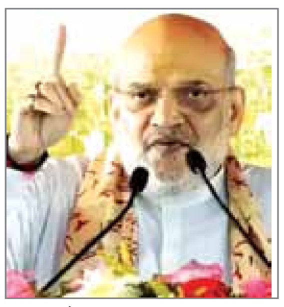

लालू और उनकी पत्नी राबड़ी के राज में जंगल राज था, जिसका खात्मा नीतिश कुमार ने किया। अमित शाह ने कहा कि लालू-राबड़ी राज में 32 हजार किडनैपिंग हुई थीं। इसके अलावा 12 बड़े नरसंहार हुए थे।

हर पाकिस्तानी जिले में महिला आतंकी सेंटर खोलेगा मसूद अजहर

- कहा-इसमें शामिल महिलाओं को जन्नत मिलेगी

इस्लामाबाद (एजेंसी)। आतंकी सगठन जैश-ए-मोहम्मद का सरगना मसूद अजहर पाकिस्तान के हर जिले में महिला आतंकी सेंटर की ब्रांच खोलेगा। यहां आतंकी बनने के लिए 15 दिन का कोर्स चलेगा। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, हर ब्रांच की हेड

डिस्ट्रिक्ट मुंतेजिमा होगी, जो लोकल महिलाओं को भर्ती करेगी। इसके लिए सख्त नियम भी बनाए गए हैं, जिनके तहत ब्रिगेड में शामिल महिलाएं फोन या मैसेंजर पर किसी अनजान मर्द से बात नहीं करेंगी। अजहर ने दावा किया है कि जो महिला इस विंग में शामिल होगी उसको कब्र से सीधे जन्नत मिलेगी। उसने कहा कि पुरुष लड़ाके महिलाओं के साथ मिलकर काम करेंगे और दुनिया भर में इस्लाम फैलाएंगे। अजहर ने 21 मिनट का ऑडियो जारी कर महिलाओं को भर्ती करने, ट्रेनिंग देने और 'ग्लोबल जिहाद' में इस्तेमाल करने का पूरा प्लान बताया है।

नरेन्द्र-नीतिश आपके सपने को पूरा करने में जुटे हैं: प्रधानमंत्री

- पीएम बोले-कांग्रेस धोखेबाज, आरजेडी का नुकसान चाहती है
- छपरा में पीएम मोदी ने कहा-बिहार में बड़ी साजिश चल रही

कहा-बिहारियों को गाली देने वालों को प्रचार में बुला रही है

छपरा (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की गुरुवार को मुजफ्फरपुर और छपरा में चुनावी सभा हुई। इस दौरान पीएम मोदी ने कांग्रेस-राजद पर जमकर हमला बोला। छपरा में सभा को संबोधित करते हुए कहा, नरेन्द्र-नीतिश आपके सपने को पूरा करने में जुटे हैं। वहीं कांग्रेस-राजद वाले बिहार और बिहारियों का अपमान करते हैं। तेलंगाना और कर्नाटक में कांग्रेस के नेता बिहारियों को गालियां देते हैं।

तमिलनाडु में डीएमके के नेता बिहारियों को प्रताड़ित करते हैं और इस बार के चुनाव में तो कांग्रेस ने सारी हदें पार कर दी है। जिन लोगों ने बिहार को

गालियां दीं, उन्हें कांग्रेस ने चुनाव प्रचार के लिए बुलाया। ये सोची-समझी साजिश के तहत हो रहा है। कांग्रेस चाहती है कि राजद का चुनाव में नुकसान हो, इसलिए उन्हें प्रचार के लिए बुला रही है। ये एक उदाहरण है कि कांग्रेस-राजद की लड़ाई कितनी बड़ी होती जा रही है।

- **कट्टा-क्रूरता है आरजेडी-कांग्रेस की पहचान है-** पीएम मोदी ने कहा कि, विकसित भारत के लिए बिहार का विकसित होना जरूरी है। आरजेडी और कांग्रेस कभी भी बिहार को विकसित नहीं बना सकता है। इन लोगों ने बिहार पर कई सालों तक राज किया। इन लोगों ने आपके साथ सिर्फ विश्वासघात किया है। जहां कट्टा, क्रूरता का राज हो, वहां कानून दम तोड़ देता है। **छठ का अपमान करने वालों को मत भूलिएगा-** आपने देखा है कि आपका ये बेटा तो छठी मैया की जय-जयकार दुनिया में कराने में लगा है। दूसरी तरफ ये कांग्रेस और आरजेडी के लोग छठी मैया का अपमान कर रहे हैं। क्या ऐसा अपमान, बिहार, हिंदुस्तान और मेरी माताएं जो निर्जला उपवास करती हैं, वो सहन कर सकती हैं। क्या बिहार की माताएं-बहनें ये अपमान बर्दाश्त करेंगी।

कांग्रेस एमएलए के बेटे की शादी, 150 गांवों को न्योता

- 80 हजार लोगों का भोज, इंग्लैंड में पढ़ी जींद के डेयरी कारोबारी की बेटी से रिश्ता

भिवानी (एजेंसी)। हरियाणा में भिवानी के लोहारू से कांग्रेस विधायक राजबीर फरटिया के बेटे का शादी समारोह सुर्खियां बटोर रहा है। 30 अक्टूबर लोहारू में प्रीतिभोज रहा। इसके लिए हलके के 150 गांवों को चूल्हा न्योता दिया गया था। यानी पूरे परिवार को भोजन पर बुलाया गया। प्रीतिभोज कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोग पहुंचे हैं। विधायक फरटिया ने सभी पंचायतों के प्रतिनिधियों को विशेष तौर पर बुलाया। लोहारू की मंडी में 5 एकड़ में पंडाल लगाया गया है।

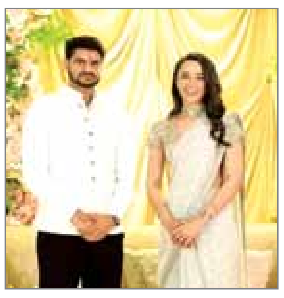

इसमें 80 से 90 हजार लोगों के खाने की व्यवस्था है। शादी की बाकी रस्में गुरुग्राम में 1 नवंबर को होंगी। विधायक के बेटे योगेश फरटिया शादी धूमधाम से होगी।

पीएम ने बटन दबाया और सीएम बोलने लगते हैं

- राहुल बोले-मोदी के हाथ में है नीतिश का रिमोट कंट्रोल
- कांग्रेस नेता ने कहा-बिहार को बदलने का दावा पूरा झूठा

नालंदा (एजेंसी)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी नालंदा के नूरसराय में गुरुवार को सभा की। उन्होंने कहा, बिहार का युवा सपना देखता है कि इंजीनियर बनूंगा, डॉक्टर बनूंगा। मां-पिता के पास जाता है और कहता है कि मुझे पढ़ाई करनी है। महीनों की मेहनत के बाद परीक्षा के एक दिन पहले पेपर लीक हो जाता है और बिहार का ईमानदार युवा देखता रह जाता है। नीतिश कुमार कहते हैं कि 20 साल में बिहार को बदल दिया। लेकिन मैं पूछता हूं कि क्या बिहार में अच्छी शिक्षा, स्वास्थ्य मिल सकता है। बिहार के अस्पतालों में लोग जीने

नहीं मरने जाते हैं। दूसरी तरफ पीएम मोदी खड़े हैं। पीएम के हाथ में नीतिश का रिमोट है। नीतिश से जो करवाना है पीएम करवा देंगे। बिहार को नीतिश नहीं चलाते हैं। सरकार अमित शाह-मोदी चलाते हैं।

दुबई बना सकते हैं तो बिहार क्यों नहीं- राहुल गांधी ने कहा, मैं बिहार के युवाओं से सवाल पूछना चाहता हूं। मैं देश के किसी भी प्रदेश में जाता हूं तो वहां मुझे बिहार के लोग दिखाई देते हैं। दुबई जैसी जगह को आपने अपने खून पसीने से बनाया है। मेरा आपसे सवाल है कि जब आप दुबई और बेंगलुरु जैसा शहर बना सकते हो तो ये बिहार में क्यों नहीं कर पाते हो।

- **राहुल गांधी बोले- वोट के लिए ड्रामा करते हैं मोदी-** राहुल बोले- मोदी छठ पूजा का ड्रामा कर रहे, यमुना की बजाए स्विमिंग पुल में नहाते हैं राहुल गांधी ने छठ पर्व पर यमुना नदी को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा हमला किया। उन्होंने कहा है कि मोदी जी छठ पूजा का ड्रामा कर रहे हैं और यमुना नदी में नहाने के बजाय एक स्विमिंग पूल में नहाने गए थे। राहुल ने आरोप लगाया कि यह छठ पूजा वोट हासिल करने के लिए किया गया नाटक है और मोदी वोट के लिए मंच पर नाच भी सकते हैं। उन्होंने कहा कि मोदी को छठ पूजा या बिहार की परंपरा से कोई लेना-देना नहीं है, उनका मकसद केवल वोट लेना है। राहुल ने यह भी कहा कि मोदी जी जनता की समस्याओं से कोई सरोकार नहीं रखते, सिर्फ प्रचार और सत्ता में बने रहने में लगे रहते हैं। राहुल गांधी ने कहा, मोदी जी ट्रंप से डरते हैं। 50 बार अमेरिकी राष्ट्रपति ने बोला है।
- **चीन के लोग 'मेड इन बिहार' चीजें इस्तेमाल करें-** मुझे बताइए आपके फोन के पीछे क्या लिखा है। मेड इन चाइना। लेकिन मेड इन चाइना नहीं, मेड इन बिहार होना चाहिए। हम चाहते हैं चीन के लोग मेड इन बिहार की चीजें खरीदें। मोबाइल, शर्ट, पैंट, ये सब बिहार में बनने चाहिए और बिहार के युवाओं को उन कारखानों में रोजगार मिलना चाहिए। बिहार के लोग बाहर क्यों जाएं। दूसरे राज्यों के लोगों को बिहार आना चाहिए। बिहार के भागलपुर में अडाणी को 1 रुपए में जमीन दे दी गई। लेकिन इसकी चर्चा तक नहीं हो रही है।

मायावती ने मुस्लिमों को बताया बीजेपी को हराने का फॉर्मूला

कहा-सपा को वोट दिया तो बीजेपी को फायदा होगा, बताई रणनीति

लखनऊ (एजेंसी)। बहुजन समाज पार्टी की अध्यक्ष मायावती ने 2027 के विधानसभा में जीत का फॉर्मूला समझाया। मुस्लिम भाईचारा कमेटी की बैठक में बताया कि कैसे 20 फीसदी दलित और 19 फीसदी मुस्लिम मिलकर विनिंग कॉम्बिनेशन बन सकते हैं। जबकि सपा का बेस यादव वोटबैंक ही 8 फीसदी है। मुस्लिमों का पूरा समर्थन पाकर भी ये सिर्फ 27 फीसदी की ही ताकत बन पाते हैं। 2022 के विधानसभा चुनाव में मुस्लिम समाज का पूरा समर्थन पाकर भी सपा गठबंधन भाजपा को नहीं हरा पाई थी। इसकी तुलना में 2007 में मुस्लिमों का थोड़ा-सा ही समर्थन बटोर कर बसपा ने भाजपा-सपा दोनों पार्टियों को हराया था। सपा सिर्फ भाजपा का डर दिखाकर मुस्लिमों को वोट हासिल करना चाहती है। जबकि बसपा मुस्लिमों को सत्ता-संगठन में उचित भागीदारी देने के साथ अपने 4 साल के कार्यकाल में किए गए विकास कार्यों के आधार पर समर्थन चाहती है।

मुस्लिम भाईचारा कमेटी की बैठक में खुद मायावती मौजूद रहीं। बिहार चुनाव प्रचार में व्यस्त भतीजे आकाश आनंद को भी बुलाया था। बसपा के गठन के बाद ये पहली बार है, जब मायावती ने खुद मुस्लिम भाईचारा कमेटी की बैठक ली। इसके पहले 2017 तक पार्टी के दूसरे पदाधिकारी और प्रदेश अध्यक्ष ही इस तरह की बैठकें लेते थे।

रूस ने टॉरपीडो 'पोसाइडन' का कर लिया सफल टेस्ट

- परमाणु क्षमता वाली, रेडियोऐक्टिव समुद्री लहरें पैदा करता है
- किनारे बसे इलाके पलभर में तबाह कर सकता है पोसाइडन

मॉस्को (एजेंसी)। राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने बताया कि रूस ने एक नए परमाणु हथियार पोसाइडन टॉरपीडो का कामयाब टेस्ट किया है। ये टॉरपीडो समुद्र में रेडियोएक्टिव लहरें पैदा करता है, जिससे किनारे के शहर रहने लायक नहीं बचते। इस टॉरपीडो को पनडुब्बी से छोड़ा जाता

है। ये आटोमैटिक है और न्यूक्लियर हथियार ले जा सकता है। उन्होंने ये भी बताया कि पोसाइडन की ताकत रूस की सबसे ताकतवर मिसाइल सरमत से भी ज्यादा है। पुतिन ने मंगलवार को यूक्रेन युद्ध में घायल सैनिकों से मुलाकात के दौरान इसके बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि दुनिया में ऐसा कोई दूसरा हथियार नहीं है। पोसाइडन की खास बात यह है कि इसके अंदर अपनी खुद की न्यूक्लियर फ्यूल यूनिट लगी होती है। यानी इसे ईंधन भरने की जरूरत नहीं पड़ती और यह लगभग अनलिमिटेड दूरी तक चल सकता है।

मोदी सरकार की लेबर पॉलिसी के ड्राफ्ट में 'मनुस्मृति'

जिक्र पर मचा बवाल, कांग्रेस बोली-आरएसएस यही चाहता है

नई दिल्ली (एजेंसी)। अक्सर राजनीतिक बहस का कारण बनने वाली मनुस्मृति एक बार फिर से चर्चा में है। इसकी वजह यह है कि केंद्र सरकार की ओर से तैयार की गई लेबर पॉलिसी, 2025 के ड्राफ्ट में इसका जिक्र किया गया है। इस ड्राफ्ट में बताया गया है कि मनुस्मृति में भी इस बात का उल्लेख किया गया है कि कैसे मजदूरी तय होनी चाहिए और कैसे श्रमिकों के हितों की रक्षा होनी चाहिए। ड्राफ्ट में कई ग्रंथों का जिक्र किया गया है, लेकिन मनुस्मृति को लेकर जिस तरह का विवाद रहा है, उससे आशंका है कि इस पर चर्चा छिड़ सकती है। ड्राफ्ट में लिखा गया है कि श्रम के बारे में भारत की समझ इसके आर्थिक आयाम से कहीं आगे तक जाती है। यह एक पवित्र और नैतिक कर्तव्य का प्रतीक है।

कांग्रेस बोली-संघ को मनुस्मृति सबसे ज्यादा पसंद है

इसके अलावा शुक्रनीति का उल्लेख करते हुए लिखा गया है कि किसी कर्मचारी को सुरक्षित और मानवीय माहौल प्रदान करना नियोक्ता का कर्तव्य है। वहीं इस मामले पर विपक्ष हमलावर हो गया है। कांग्रेस के कई नेताओं ने इस पर आपत्ति जताई है और कहा कि जातिभेद करने वाली मनुस्मृति का जिक्र करना गलत है। इससे पता चलता है कि इनके मूल्य क्या हैं और ये कैसा समाज बनाना चाहते हैं। कांग्रेस के सीनियर लीडर जयराम रमेश ने हमला बोलते हुए कहा कि मनुस्मृति के सिद्धांतों की ओर यह वापसी आरएसएस की सबसे प्रिय परंपराओं के अनुरूप है। आखिरकार, संविधान के अपनाए जाने के तुरंत बाद आरएसएस ने इस आधार पर संविधान पर हमला किया था कि भारतीय संविधान मनुस्मृति में निहित मनु के आदर्शों और मूल्यों से प्रेरणा नहीं लेता है।

ड्राफ्ट पॉलिसी में किन-किन ग्रंथों का हुआ है जिक्र

इसके आगे ग्रंथों का जिक्र करते हुए लिखा गया है, मनुस्मृति, याज्ञवल्क्यस्मृति, नारदस्मृति, शुक्रनीति और अर्थशास्त्र जैसे प्राचीन ग्रंथों ने राजधर्म की अवधारणा के माध्यम से श्रम की परिभाषा तय की है। इनमें न्याय, उचित मजदूरी और श्रमिकों को शोषण से बचाने के लिए कर्तव्यों पर जोर दिया गया है। इन प्रारंभिक सूत्रों ने आधुनिक श्रम कानून के उदय से सदियों पहले भारत के सभ्यतागत ताने-बाने में श्रम शासन के नैतिक आधार को अंतर्निहित कर दिया था। इस ड्राफ्ट में कहा गया है कि हमारे ग्रंथों में शुल्क न्याय की बात थी। इसमें बताया गया था कि कैसे किसी मजदूर को समय पर उसका वेतन मिलना जरूरी है और यह एक न्याय है। ऐसा ना किया जाना अन्याय की श्रेणी में रखा गया था।

संक्षिप्त समाचार

फुलवारी शरीफ गोलीकांड में 5 गिरफ्तार, 2 नाबालिग, 8 के खिलाफ मामला हुआ था दर्ज

पटना। पटना के फुलवारी शरीफ में 26 अक्टूबर को नहर पर हुई गोलीबारी के मामले में पुलिस ने 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनमें 2 नाबालिग भी शामिल हैं। पुलिस ने गिरफ्तार किए गए लोगों के पास से गोली के 4 खोखे बरामद किए हैं। सिटी एसपी पश्चिम भानु प्रताप सिंह ने घटना की जानकारी देते हुए बताया कि फुलवारी शरीफ नहर पर आपसी विवाद के चलते फायरिंग हुई थी। इस संबंध में रुखसाना खातून ने फुलवारी शरीफ थाने में आठ लोगों के खिलाफ नामजद आवेदन दिया था। आवेदन मिलने के बाद फुलवारी शरीफ थाने में मामला दर्ज कर अपराधियों की तलाश के लिए एक टीम गठित की गई थी। पुलिस टीम ने 48 घंटे के भीतर 5 युवकों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार किए गए आरोपियों में मोहम्मद इरफान, मोहम्मद अफजल अशरफ और मोहम्मद आरिफ खान शामिल हैं। सिटी एसपी ने बताया कि घटना के बाद सभी अपराधी मौके से फरार हो गए थे। पुलिस अन्य फरार अपराधियों की तलाश में लगातार छापेमारी कर रही है। पुलिस का दावा है कि सभी फरार आरोपियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

जेडीयू जिलाध्यक्ष की 50 कारतूस, पिस्टल चोरी, 3 बंद फ्लैट्स में चोरों ने किया हाथ साफ

पटना। पटना के कंकड़बाग थाना क्षेत्र के नारायण एंक्लेव और एक मकान में लगभग 25 लाख से अधिक की चोरी हुई है। नारायण एंक्लेव में जेडीयू पार्टी के वैशाली जिलाध्यक्ष सुभाष चंद्र सिंह और मनीष के फ्लैट में तकरीबन 20 लाख रुपए के सोने-चांदी के आभूषण, लाइसेंसी पिस्टल और 50 जिंदा कारतूस चुरा लिए हैं। इसके अलावा फार्मा कंपनी में काम करने वाले एक शख्स के मकान को भी निशाना बनाया है। इसमें से 4 से 5 लाख के गहने और 10000 रुपए कैश उड़ाए हैं।सीसीटीवी में कैद हुई वारदातःयह पूरी घटना इंक्लेव में लगे सीसीटीवी में कैद हो गई है। सीसीटीवी फुटेज में एक अज्ञात शख्स तौलिया से अपने चेहरे को कैमरे से बचते छिपाते फ्लैट के अंदर सीढ़ियों से चढ़कर घुसते दिख रहा है। फिलहाल एक ही शख्स दिखा है। मनीष कुमार ने बताया कि छठ पूजा में पूरी फैमिली दशरथा स्थित घर चली गई थी। रोज शाम के वक्त एक समय फ्लैट पर आ जाता था। लेकिन चोरी की भनक तक नहीं लगी। आज जब फ्लैट पर आए तो ताला टूटा था और सामान गायब थे। जेडीयू जिलाध्यक्ष सुभाष चंद्र सिंह ने कहा कि दिवाली के वक्त ही फ्लैट बंदकर के वैशाली स्थित घर चले गए थे। पिस्टल भी फ्लैट में थी। आज जब फोन गया तब मामले की जानकारी मिली। थाने में शिकायत कर दी गई है। पुलिस जांच करने आई थी। पुलिस एक्टिव है। कंकड़बाग थानेदार अभय कुमार ने बताया कि केस रजिस्टर्ड कर लिया गया है। सीसीटीवी फुटेज चेक किया जा रहा है। चोर दिखा है। उसकी पहचान के लिए कोशिश जारी है।

वैशाली में विवाहिता की दहेज को लेकर हत्या, बेटी ने पिता से कॉल कर पूछा - 'पापा, कब आएंगे?'

हाजीपुर। वैशाली के बिदुपुर थाना क्षेत्र में बुधवार रात युवती दिव्या कुमारी (27) का दहेज को लेकर हत्या कर दिया गया। मृतका के परिवार ने दहेज उत्पीड़न और पिटाई का आरोप लगाते हुए उसके पति अभिषेक कुमार (33) और ससुर बब्लू सिंह (55) को जिम्मेदार ठहराया है। घटना के बाद आरोपी फरार हो गए थे, लेकिन पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दोनों को गिरफ्तार कर लिया है। परिवार वालों ने आरोप लगाया है कि शादी के बाद 3 लाख दहेज मांगा जा रहा था। मामला कल रात सैदपुर गणेश पंचायत स्थित एराजी गांव के वार्ड नंबर 05 का है, जब युवती की मौत हो गई। मृतका के पिता मनोज सिंह ने बताया, "कल दोपहर मैंने अपनी बेटी से बात की थी। उसने पूछा था, 'पापा, कब आएंगे?' मैंने कहा था कि अभी छुट्टी नहीं मिली है, छुट्टी मिलते ही आऊंगा। लेकिन आज सुबह सूचना मिली कि मेरी बेटी की मौत हो गई है।" उन्होंने आगे कहा, "जब हम मौके पर पहुंचे, तो बेटी के शरीर पर मारपीट के साफ निशान थे और उसके शरीर व मुंह पर खून के दाग थे।" मृतका की मां ने दहेज उत्पीड़न का गंभीर आरोप लगाते हुए बताया, "मेरी बेटी की शादी 2016 में हुई थी। शादी के बाद से ही उसके पति और ससुर उसे दहेज के लिए लगातार प्रताड़ित कर रहे थे। आखिरकार उन्होंने उसे मार ही डाला। हमारा घर जंदाहा के खोपी गांव, वार्ड नंबर 07 में है। बिजनेस करने के लिए लड़का लड़की को बोला था की पापा से 5 लाख रुपया मांगो नहीं मिलने पे हत्या हुई, लड़का नशे का आदि था।" वहीं आरोपी पति अभिषेक कुमार प्राइवेट जॉब करता था। घटना की सूचना मिलते ही बिदुपुर थाना प्रभारी रवि प्रकाश अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे और मामले की छानबीन शुरू कर दी। पुलिस ने बताया कि मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है और मामले में सख्त कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

राबड़ी से तेजस्वी की शिकायत, रोड शो के दौरान बुजुर्ग बोला- आप लोग राघोपुर के साथ सौतेला व्यवहार करते हैं

हाजीपुर। राबड़ी देवी गुरुवार (30 अक्टूबर) को तेजस्वी यादव की विधानसभा राघोपुर में रोड शो किया। 15KM के रोड शो में उन्होंने रुक-रुककर लोगों से बात की। उनकी समस्याएं सुनीं। राबड़ी को देखने के लिए लोग छतों पर चढ़ गए। कहीं तेजस्वी जिंदाबाद के नारे लगे तो कहीं लालू के समर्थन में नारेबाजी की गई। इस दौरान लोगों ने राबड़ी से तेजस्वी की शिकायत भी की। एक बुजुर्ग दंपती ने राबड़ी से कहा कि आप लोग राघोपुर को सौतेला समझते हैं। हमारे साथ ऐसा ही व्यवहार किया जाता है। महिला ने कहा, आपका बेटा काम नहीं करता है। यहां आता भी नहीं है। लोगों से मिलने के बाद राबड़ी देवी ने कहा, 'राघोपुर के लोग बहुत उत्साहित हैं और तेजस्वी यादव को बिहार का मुख्यमंत्री बनाएंगे। हमारी सरकार बनने के बाद हम राघोपुर में सभी विकास कार्य करेंगे।' राघोपुर में महागठबंधन से तेजस्वी यादव चुनाव लड़ रहे हैं। NDA ने राबड़ी को हराने वाले सतीश यादव को मैदान में उतारा है।

'पिछली बार वोट दिया था, इस बार माफ कीजिए', वोट मांगने पहुंचे बीजेपी उम्मीदवार के सामने लोगों ने जोड़े हाथ

हाजीपुर। बिहार के लालगंज में चुनाव प्रचार के दौरान भाजपा उम्मीदवार संजय सिंह को जनता के विरोध का सामना करना पड़ा। वोट मांगने पहुंचे सिंह के सामने लोगों ने हाथ जोड़कर इस बार समर्थन न देने की बात कही।वायरल हुए एक वीडियो में, भीड़ के बीच एक बुजुर्ग व्यक्ति संजय सिंह से हाथ जोड़कर कहते दिख रहे हैं, "पिछली बार वोट दिया था, इस बार माफ कीजिए।" इस घटना के बाद भाजपा उम्मीदवार को बिना वोट मांगे ही वापस लौटना पड़ा। बता दें कि संजय सिंह वर्तमान में लालगंज से विधायक हैं और भाजपा ने उन्हें इस बार भी इसी सीट से उम्मीदवार बनाया है। वे क्षेत्र में अपने पांच साल के कार्यकाल का हिसाब देने के लिए जनता के बीच जा रहे हैं।लालगंज सीट पर संजय सिंह का मुकाबला बाहुबली मुन्ना शुक्ला की बेटी शिवानी शुक्ला से है। यह मुकाबला काफी कड़ा माना जा रहा है, जहां भाजपा उम्मीदवार को कड़ी चुनौती मिल रही है। विधायक के रूप में अपने कार्यकाल के कारण, संजय सिंह को जनता के तीखे सवालों और नाराजगी का भी सामना करना पड़ रहा है। यह घटना दर्शाती है कि चुनावी माहौल में नेताओं के लिए जनता के बीच जाकर वोट मांगना एक बड़ी चुनौती बन गया है।

गांधी मैदान में बनाई गई दुनिया की सबसे बड़ी महारंगोली

मतदाताओं को मतदान के लिए जागरूक करने की पहल

एजेंसी, पटना

बिहार विधानसभा आम निर्वाचन के तहत मतदाता जागरूकता अभियान के लिए पटना के गांधी मैदान में महा रंगोली बनाई गई है। जो दुनिया की सबसे बड़े रंगोली में शामिल है। जिसे जीविका दीदी, आंगनबाड़ी सेविका और आम जनता के सहयोग से मात्र 6 दिन में बनाया गया है। इसका उद्घाटन जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-जिलाधिकारी डॉ. त्यागराजन एसएम ने किया। यह रंगोली '6 नवंबर को वोट करेगा पटना' थीम पर आधारित है और मतदाताओं को मतदान के प्रति प्रेरित करने का एक अभिनव प्रयास है। रंगोली गांधी मैदन गेट संख्या 7 से 10 तक फैली है। जिसे जीविका दीदियों, आंगनवाड़ी सेविकाओं और आम नागरिकों ने मिलकर बनाया है। ये इतने बड़े क्षेत्रफल में फैली है कि इसमें 5 फुटबॉल मैदान समा जाए।

पटना के करीब 49 लाख मतदाता लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकतः जिलाधिकारी डॉ. त्यागराजन एसएम ने कहा कि मतदाता ही सम्पूर्ण निर्वाचन अभियान के केंद्र बिंदू हैं। पटना जिले के करीब 49 लाख मतदाता लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत हैं। 6 नवंबर को मतदान के दिन हर मतदाता को अपने मताधिकार का प्रयोग कर लोकतंत्र को मजबूत बनाना चाहिए। प्रशासन का लक्ष्य इस बार मतदान प्रतिशत को 66 प्रतिशत से अधिक तक पहुंचाने का है और इसके लिए "मिशन 60" के तहत सघन मतदाता जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है।

मतदाताओं को मतदान के महत्व से अवगत कराने की अपीलः पटना जिले में चलाया जा रहा स्वीप अभियान विभिन्न विभागों और एजेंसियों की साझेदारी से संचालित है। इसमें आईसीडीएस, जीविका, पटना मेट्रो रेल कॉरपोरेशन लिमिटेड, पटना स्मार्ट सिटी लिमिटेड, कल्याण विभाग और कई अन्य संस्थाएं शामिल हैं। जिलाधिकारी ने कहा हैं कि प्रत्येक संस्था सरकारी, निजी या सामाजिक को यह जिम्मेदारी निभानी होगी कि वे मतदाताओं को मतदान के महत्व से अवगत कराए।

पटना में अपराधी के घर से हथियार बरामद

एजेंसी, पटना

पटना पुलिस ने बिहार विधानसभा चुनाव से पहले अपराध नियंत्रण अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई की है। एक अपराधी के घर से अवैध हथियार और कारतूस बरामद किए हैं। आईआईटी अम्हारा थाना पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी। इसके आधार पर अपराधी सुजीत कुमार के घर पर छापा मारा गया। पुलिस ने उसके घर से एक देसी कट्टा, 5 कारतूस और एक गुप्ती (चाकू जैसा हथियार) जब्त किया है। हालांकि, पुलिस की छापेमारी के दौरान अपराधी सुजीत कुमार मौके से फरार हो गया। पुलिस टीम अब उसकी गिरफ्तारी के लिए लगातार प्रयास कर रही है।

आगे भी कार्रवाई जारी रहेगीः पटना पश्चिम सिटी एसपी भानु प्रताप सिंह ने बताया कि बुधवार रात आईआईटी अम्हारा थाना की पुलिस को गुप्त सूचना मिली की थाना क्षेत्र के राजपुर गांव निवासी सुरजीत कुमार के घर पर अवैध हथियार और जिंदा कारतूस रखा हुआ है और किसी बड़ी घटना को अंजाम देने के फिराक में है। जिसके बाद थानाध्यक्ष के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया और छापेमारी की गई। मौके से पुलिस ने सुजीत कुमार के घर से एक देसी कट्टा, 5 कारतूस और एक गुप्ती बरामद किया है। फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। एसपी ने बताया कि बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर पटना पुलिस लगातार अपराध नियंत्रण को लेकर कार्रवाई कर रही है। अवैध हथियार की बरामदगी को लेकर ऑपरेशन जखीरा भी चलाया जा रहा है जिसके तहत अब तक कई अवैध हथियार भी बरामद हुए हैं। कई अपराधियों को गिरफ्तार भी किया गया है। आगे भी इस तरह की कार्रवाई जारी रहेगी।

घटना को अंजाम देने के फिराक में था, पुलिस को देखकर हुआ फरार

आरजेडी नेता की हत्या, जनसुराज के कैंडिडेट के प्रचार में शामिल था

एजेंसी, पटना

मोकामा में गुरुवार (30 अक्टूबर) को जनसुराज के कैंडिडेट पीयूष प्रियदर्शी के काफिले पर हमला हुआ है। इसमें उनके काफिले में शामिल एक राजद नेता दुलारचंद यादव की गोली मारकर हत्या कर दी गई है। दुलारचंद यादव पीयूष प्रियदर्शी के साथ चुनाव प्रचार में शामिल थे। जनसुराज के नेताओं ने बताया कि हमारे कैंडिडेट का काफिला अनंत सिंह की गाड़ी के पीछे था। अचानक से अनंत सिंह के समर्थक गाड़ियों से निकले और लाठी-डंडों से हमला कर दिया। घटना घोसवारी की है।

मौके पर मौजूद एक व्यक्ति ने बताया, हम लोग पीयूष प्रियदर्शी के काफिले के 10 गाड़ी के पीछे थे। सामने से अनंत सिंह का काफिला आ रहा था। दोनों काफिले गुजरे तो अनंत सिंह के समर्थकों ने प्रियदर्शी की गाड़ी पर हमला किया। गाड़ी का कांच तोड़ दिया, लाठी-डंडों से तोड़फोड़ भी की। ये एक तरह से जानलेवा हमला था। इसके बाद भगदड़ मच गई। कई गाड़ियों के शीशे तोड़े गए। दुलारचंद ने देखा की प्रियदर्शी को कोई मार रहा है तो वो गाड़ी से निकले। इसी बीच उनके ऊपर हमला कर दिया गया।' जनसुराज ने बताया है, दुलार चंद यादव ने कभी जनसुराज की सदस्यता नहीं ली है। वे मोकामा में हमारे कैंडिडेट को सपोर्ट कर रहे थे।'

अनंत सिंह के समर्थकों पर आरोप

पटना में हिमाचल प्रदेश के सीएम बोले, अनगिनत नौकरियां मिलेंगी, महागठबंधन को वोट दें

एजेंसी, पटना

पटना में हिमाचल प्रदेश के सीएम सुखविंदर सिंह सुक्खू ने पीसी की है। उन्होंने कहा कि तेजस्वी यादव यहां नेतृत्व कर रहे हैं इसलिए घोषणा पत्र का नाम तेजस्वी प्रण लिखा गया है मगर महागठबंधन सब साथ में है। सरकारी बनती और बदलती है, मगर जनता में आत्मविश्वास होना चाहिए। तेजस्वी की हर घर सरकारी नौकरी पर उन्होंने कहा कि बिहार की जनता जब विकास के लिए आगे बढ़ेगी तो एक परिवार में एक नौकरी क्या अनगिनत नौकरियां मिलेंगी। इस देश की आजादी के लिए और देश को बनाने के लिए जो कांग्रेस ने किया वह उसकी विचारधारा में है। आजाद भारत में जो लोकतंत्र की स्थापना हुई है, जहां कोई भी पार्टी जाकर अपना मुख्यमंत्री घोषित कर सकता है। कांग्रेस पार्टी सर्वांगीण विकास में विश्वास करती है। जीतने के बाद पार्टी बैठकर यह रणनीति करती है कि कौन सा नेता किस तरीके से जनता की सेवा करेगा। महागठबंधन के संकल्प पत्र के माध्यम से व्यवस्था परिवर्तन लाने की कोशिश की जा रही है।

जिन बच्चों के पेरेंट्स नहीं उन्हें सरकार देती सहाराः सुखविंदर ने कहा कि हिमाचल प्रदेश देश का पहला ऐसा राज्य बना जहां जो बच्चा अपने माता-पिता को खो चुका है, उसके लिए सरकार ने देश का पहला कानून बनाया है। इसका नाम 'मुख्यमंत्री सुख आश्रय योजना' रखा गया है। इस कानून के माध्यम से सरकार ही माता और पिता है। पैदा होने से लेकर 27 साल की उम्र तक के बच्चे का ख्याल हिमाचल प्रदेश की सरकार रखेगी और जब वह 18 साल से ऊपर होगा तो उसे हर महीने का 4000 मिलेगा। डॉक्टर इंजीनियरिंग बनने के लिए 75000 कोचिंग का मिलेगा और जब वह डॉक्टर बन जाएगा तो उसके खर्चा हिमाचल प्रदेश की सरकार देगी।

हमने प्राकृतिक खेती को बढ़ावा दियाः हिमाचल प्रदेश देश का पहला राज्य है जहां दूध पर MSP मिलता है, 51 रुपए प्रति लीटर के हिसाब से देती है। हमने प्राकृतिक खेती को बढ़ावा दिया है। जहां गेहूं, कच्ची हल्दी, जौ और मक्के का मिनिमम सपोर्ट प्राइस घोषित किया है। शिक्षा के क्षेत्र में हिमाचल प्रदेश में 21वें स्थान पर था जब भाजपा की सरकार थी। मगर 2025 में हम 5वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

♦ व्यवस्था परिवर्तन की हो रही कोशिश

हमारी सरकारी बनी तो हिमाचल प्रदेश की तरह ओल्ड पेंशन स्कीम लागू करेंगेः यहां तक्षशिला से विक्रमशिला तक लोग बाहर से पढ़ने के लिए आते थे। यह बुद्ध की धरती रही है, मगर इस प्रदेश में आज जो हालात है, उसमें बदलाव की जरूरत है। यह बदलाव और कोई नहीं ला सकता है बल्कि पत्रकार बंधु और देश की जनता ला सकती है। आप हमारे महागठबंधन को वोट दीजिए। तेजस्वी यादव यहां पर नेतृत्व कर रहे हैं और कांग्रेस पार्टी उनके सहयोग से आगे बढ़ रही है। महागठबंधन की जीत से एक नई सोच का उदय होगा और बिहार में बदलाव के बयार देखने को मिलेगी। हमारी सरकार बनेगी तो हम यहां पर भी हिमाचल प्रदेश की तरह ओल्ड पेंशन स्कीम लागू करेंगे।

विधायक भाई वीरेंद्र पर आरोप पत्र दाखिल करने की तैयारी, पेन ड्राइव के इंतजार में पुलिस

एजेंसी, पटना

पंचायत सचिव से हुई तीखी बहस के मामले में राजद विधायक भाई वीरेंद्र की मुश्किलें बढ़ सकती है। पुलिस ने इस मामले में जांच तेज कर दी है। बलुआ पंचायत के सचिव संदीप से पुलिस ने पेन ड्राइव मांगा है, जिसमें बातचीत के कॉल रिकॉर्ड है। संदीप SC ST थाने पर पेन ड्राइव लेकर आने वाले थे, लेकिन देर शाम तक नहीं आए। पुलिस उनसे लगभग 5 बार से अधिक पेन ड्राइव के लिए रिक्वेस्ट कर चुकी है। क्योंकि इस मामले में डिजिटल एविडेंस ही मुख्य है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक आज गुरुवार को संदीप अपना पेन ड्राइव पुलिस को सौंप सकते हैं। जैसे पुलिस के हाथ पेन ड्राइव लग जाएगा, ऑडियो की भी जांच कराई जा सकती है। पुलिस किसके नाम पर SIM था, इसका डिटेल्स निकाल चुकी है। अब आरोप पत्र दाखिल करने की तैयारी चल रही है। अगले एक सप्ताह के भीतर पुलिस इस मामले में भाई वीरेंद्र के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल कर सकती है। फिलहाल भाई वीरेंद्र को इस मामले में थाने से ही नोटिस देकर छोड़ दिया गया है, लेकिन आगे परिस्थिति के अनुसार कार्रवाई हो सकती है।

26 जुलाई को भाई वीरेंद्र ने कॉल किया थाः बता दें कि संदीप के पास मनेर प्रखंड के राय पंचायत का अतिरिक्त प्रभार था। वहां के स्थानीय राजद विधायक भाई वीरेंद्र ने 26 जुलाई को काम के सिलसिले में पंचायत सचिव को कॉल किया। वायरल ऑडियो के मुताबिक उन्होंने पहले अपना नाम लिया। इस पर पंचायत सचिव संदीप ने उनसे पहचान पूछी। जिस पर भाई वीरेंद्र ने कहा भाई वीरेंद्र नाम ही काफी है। इसके बाद राजद विधायक ने पंचायत सचिव को प्रोटोकॉल का हवाला दिया और दोनों में तीखी बहस होने लगी। पंचायत सचिव ने पटना के SC ST थाने में भाई वीरेंद्र के खिलाफ जान से मारने की धमकी, गाली-गलौज और मारपीट करने की धमकी देने के मामले में केस दर्ज करा दिया।

♦ पंचायत सचिव ने लगाया था गाली–गालौज का आरोप

मृत्यु प्रमाण पत्र जल्द बनाने के लिए फोन किया थाः दरअसल, भाई वीरेंद्र ने मनेर विधानसभा क्षेत्र के एक पंचायत सचिव को मृत्यु प्रमाण पत्र जल्द बनाने के लिए फोन किया था। पंचायत सचिव ने कॉल रिसीव करते हुए कहा- बोलिए। इसपर भाई वीरेंद्र नाराज होकर बोले- तुम नहीं पहचाना। इस दौरान विधायक और पंचायत सचिव के बीच जमकर बहस हुई। पंचायत सचिव ने यहां तक कह दिया, जाइए जहां शिकायत करना है कर दीजिए और मेरा ट्रांसफर करवा दीजिए। राजद विधायक भाई वीरेंद्र ने पंचायत सचिव को जूते से मारने की धमकी दी थी।

पिकअप ने शख्स को कुचला गाड़ी छोड़कर ड्राइवर फरार

एजेंसी, पटना

पटना सिटी के धवलपुरा में बुधवार शाम एक तेज रफ्तार पिकअप ने एक व्यक्ति को कुचल दिया। हादसे में घायल व्यक्ति को गंभीर हालत में निजी नर्सिंग होम में भर्ती कराया गया है। घटना के बाद पिकअप का ड्राइवर वाहन छोड़कर फरार हो गया। घायल व्यक्ति की पहचान धवलपुरा निवासी योगेश्वर कुमार के रूप में हुई है। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और पिकअप को मालसलामी थाना के हवाले कर दिया।

ट्रैफिक थाने के दी सूचनाः मालसलामी थाना के सब इंस्पेक्टर अमित कुमार ने बताया कि स्थानीय लोगों ने पिकअप वाहन को थाने को सौंपा है। फरार ड्राइवर की तलाश की जा रही है। उन्होंने यह भी बताया कि चूंकि घटना ट्रैफिक थाना क्षेत्र में आती है, इसलिए संबंधित ट्रैफिक थाना को सूचित कर दिया गया है, जो आगे की कार्रवाई करेगा। घायल योगेश्वर महतो की परिजन संगीता कुमारी ने बताया कि ऐसा लग रहा था कि ड्राइवर नशे में था और अनियंत्रित होकर उसने व्यक्ति को कुचल दिया। ड्राइवर नशे की हालत में मौके से फरार हो गया।

♦ चालक पर नशे में होने का आरोप

हथियार के साथ बदमाश गिरफ्तार, अपराध की रच रहा था साजिश

पुलिस ने छापेमारी में कट्टा और कारतूस किया बरामद

एजेंसी, पटना

पटना के जानीपुर थाना पुलिस ने एक अपराधी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से 2 देसी कट्टा और 7 कारतूस बरामद किए गए हैं। नगवां गांव से एक बड़ी वारदात को अंजाम देने की साजिश रच रहा था, इसी दौरान पुलिस ने उसे पकड़ लिया। सिटी एसपी पश्चिम भानु प्रताप सिंह ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि जानीपुर थाना क्षेत्र के नगवां गांव में एक अपराधी ने किसी बड़ी घटना को अंजाम देने के लिए हथियार छिपाकर रखा है।

गिरफ्तार बदमाश से पूछताछ हो रहीः सूचना के आधार पर एक पुलिस टीम का गठन किया गया। टीम का नेतृत्व फुलवारी शरीफ पुलिस अनुमंडल पदाधिकारी सुशील कुमार कर रहे थे। पुलिस टीम ने नगवां गांव में फुद्दन नट उर्फ पदनिया नट के घर पर छापेमारी की। छापेमारी के दौरान पुलिस को बड़ी सफलता मिली। पुलिस ने फुद्दन नट के घर से छिपाकर रखे गए दो देसी कट्टा और सात कारतूस बरामद किए। गिरफ्तार अपराधी से पूछताछ जारी है, ताकि यह पता चल सके कि वह किस घटना को अंजाम देने की फिराक में था।

अमित शाह ने लालू परिवार पर साधा निशाना, लोगों से पूछा- आपको जंगलराज चाहिए या विकास वाला बिहार

एजेंसी, पटना

पटना के पालीगंज विधानसभा के खेल मैदान पहुंचे केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पालीगंज विधानसभा से एनडीए गठबंधन लोजपा उम्मीदवार सुनील कुमार यादव और मनेर विधानसभा से एनडीए गठबंधन लोजपा उम्मीदवार जितेंद्र कुमार यादव के समर्थन में जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के अलावा कई एनडीए गठबंधन के सभी दलों के नेता मौजूद थे। अमित शाह ने कहा कि बारिश के बाद भी पालीगंज के लोगों का उत्साह इतना है यह आज दिख रहा है। लालू परिवार और विपक्ष पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि आने वाला चुनाव बिहार में जंगल राज को रोकने वाला चुनाव है।

लोगों से पूछा- आपको बिहार में जंगलराज चाहिए या नीतीश-मोदी का विकास चाहिएः उन्होंने लोगों से पूछा कि आपको जंगलराज वाला बिहार चाहिए या नीतीश मोदी वाला बिहार चाहिए, 20 सालों से बिहार में नीतीश कुमार ने विकास किया, लेकिन पिछले 15 सालों में बिहार का विनाश लालू परिवार के लोगों ने किया। इसलिए आने वाले चुनाव में लालू का जंगलराज चाहिए या नीतीश मोदी का विकास वाला बिहार चाहिए यह आपको सोचना होगा। कहा कि पटना में पिछले 20 सालों में नीतीश जी के साथ मिलकर एनडीए की सरकार ने विकास का काम किया है।

20 साल में एनडीए ने बहुत काम किया

बार भाकपा माले के उम्मीदवार की जीत हुई थीः यहां पिछले विधानसभा चुनाव में महागठबंधन के भाकपा माले से उम्मीदवार संदीप सौरभ ने जीत दर्ज की थी और इस बार भी वह महागठबंधन की तरफ से उम्मीदवार बनाए गए है, लेकिन अगर बात करें एनडीए गठबंधन की तो पिछले 2020 की विधानसभा चुनाव में एनडीए गठबंधन की तरफ से जेडीयू पार्टी के तरफ से जयवर्धन यादव को उम्मीदवार बनाया गया था, जबकि लोजपा पार्टी के तरफ से उम्मीदवार के रूप में उषा विद्यार्थी को बनाया गया था। इस बार यह सीट लोजपा को दिया गया। अब देखना होगा कि इस बार चुनाव में कितना असर होगा। पिछले कई सालों से इस पालीगंज विधानसभा से ओबीसी यादव जाति का बोलबाला रहा है।

संक्षिप्त समाचार

करेंट लगने से भैंस की मौत

बीएनएम @ जमुई/सोनो। जिले के सोनो प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत चुरहेत बिजुआही गांव में गुरुवार की सुबह एक दुखद घटना सामने आई। गांव में ऊपर से गुज़र रहे बिजली के तार के अचानक टूटकर गिरने से एक भैंस की मौके पर ही करंट लगने से मौत हो गई।ग्रामीणों ने बताया कि सुबह के समय बिनोद यादव अपने मवेशियों को लेकर बरनार नदी की ओर जा रहे थे। इसी दौरान, अचानक ऊपर से गुजर रही बिजली तार टूटकर नीचे गिर पड़ी और उनके पीछे चल रही भैंस पर जा गिरी। करंट की चपेट में आने से भैंस ने मौके पर ही दम तोड़ दिया।इस घटना से पीड़ित बिनोद यादव ने गहरे दुख के साथ बताया कि उन्हें पचास हजार रुपये से अधिक की आर्थिक क्षति हुई है। यादव ने कहा कि मृत भैंस ही उनके परिवार की आमदनी का मुख्य जरिया थी, और इस क्षति के कारण उनके सामने अब रोजी-रोटी का गंभीर संकट खड़ा हो गया है। हादसे के बाद मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई।इस मामले में अंचलाधिकारी प्रशांत शांडिल्य ने पीड़ित को सरकारी मदद का आश्वासन दिया है। उन्होंने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही कर्मचारी को जांच के लिए भेज दिया गया है। अंचलाधिकारी ने कहा कि जाँच रिपोर्ट आने के बाद नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी और पीड़ित को सरकारी प्रावधान के अनुसार आर्थिक सहायता दी जाएगी।

मारपीट-छिनतई का मामला दर्ज

बीएनएम @ जमुई/झाझा। बेटी के घर बाबुबांक आई एक महिला के साथ दो लोगों के द्वारा मारपीट एवं छिनतई किए जाने का मामला थाना में दर्ज हुई है। दर्ज आवेदन में बोड़वा की रहने वाली मेरवी देवी ने बताई की जब मैं बेटी के घर आई थी तो बाबुबांक के ही जीतू रविदास मुझें गाली गलौज करने लगा जिसका विरोध किया तो उसने लाठी से मुझपर हमला कर मारपीट करना शुरू कर दिया। फिर मंगल रविदास ने ईट से मारकर घायल कर दिया। इस दौरान उनदोनो ने गले से चांदी का सिकड़ी छीन लिया। हल्ला मचाने पर बेटी दामाद बचाव के लिए आया मेरी बेटी के साथ भी मारपीट कर तीन हजार रुपए छीन लिया।

दो पक्षों के बीच हुई मारपीट का मामला दर्ज

बीएनएम @ जमुई/झाझा। बीते वर्ष थानाक्षेत्र के महापर गांव में दो पक्षों के बीच हुई मारपीट में एक पक्ष की ओर से थाना में दर्ज कराए गए प्राथमिकी में फरार चल रहे एक नामजद को झाझा पुलिस ने महापुर गांव से गिरफ्तार किया। थानाध्यक्ष संजय कुमार ने बताया कि थाना में दर्ज कांड संख्या 221/24 में नामजद विदेशी यादव को गुप्त सूचना के आधार पर गिरफ्तार किया गया। कागजी कार्रवाई पूरी करने के बाद गिरफ्तार आरोपी को न्यायिक हिरासत में जमुई भेज दिया गया।

चुलाई शराब के साथ एक गिरफ्तार

बीएनएम @ बैरिया : बैरिया थाना पुलिस ने बिरता टोला बगही में छापेमारी कर 6 लीटर देशी चुलाई शराब के साथ एक शराब धंधेबाज को गिरफ्तार किया है। गुरुवार दोपहर करीब एक बजे थानाध्यक्ष अनुज कुमार सिंह ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी की पहचान करीमन मुखिया के रूप में की गई है। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि इलाके में अवैध शराब की बिक्री की जा रही है। सूचना के आधार पर त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस ने मौके पर पहुंचकर छापेमारी की, जहां से आरोपी को शराब के साथ पकड़ा गया। थानाध्यक्ष ने बताया कि आरोपी के विरुद्ध उत्पाद अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर न्यायिक हिरासत में भेजने की प्रक्रिया की जा रही है। पुलिस ने कहा कि अवैध शराब के कारोबार पर सख्त कार्रवाई जारी रहेगी और ऐसे धंधेबाजों के खिलाफ अभियान लगातार चलेगा।

मतदान को पारदर्शी और सुगम बनाने के लिए विशेष इंतजाम

बीएनएम @ शेखपुराः बिहार विधानसभा आम निर्वाचन 2025 को सफल और सुचारू रूप से संपन्न कराने के उद्देश्य से, निर्वाचन विभाग द्वारा इस बार मतदान केंद्रों पर लाइव वेबकास्टिंग, पर्दानशीं मतदाताओं की पहचान और मोबाइल फोन प्रबंधन के लिए विशेष व्यवस्था की गई है। जिला प्रशासन द्वारा दिनांक 06.11.2025 को आयोजित होने वाले मतदान हेतु चुनाव आयोग के निर्देशों के अनुपालन में सभी आवश्यक तैयारियां अंतिम चरण में हैं।निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार, मतदान प्रक्रिया में अधिकतम पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए मतदान केंद्रों पर लाइव वेबकास्टिंग की जाएगी।इस महत्वपूर्ण कार्य के लिए आयोग द्वारा विशिष्ट एजेंसियों को नामित किया गया है, जो सभी वेबकास्टिंग संबंधी कार्यों का प्रबंधन करेंगी।इस पहल से पूरी मतदान प्रक्रिया पर उच्च अधिकारियों द्वारा वास्तविक समय (Real-Time) में निगरानी रखी जा सकेगी।पर्दानशीं (पर्दे में रहने वाली) महिला मतदाताओं की पहचान को सुगम बनाने और मतदान केंद्र पर कतारों को व्यवस्थित रखने के लिए महिला कर्मियों को स्वयंसेवक के रूप में तैनात किया जाएगा।आंगनवाड़ी सेविका/सहायिका, आशा कर्मी, या अन्य महिला कर्मी इस कार्य में शामिल होंगी।पर्दानशीं मतदाताओं की पहचान करना और कतारों को व्यवस्थित रखना।ये स्वयंसेवक दिव्यांग और वरिष्ठ नागरिक मतदाताओं को मतदान केंद्र तक पहुँचने और सहायता प्रदान करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी।मतदान केंद्र की गोपनीयता और सुरक्षा बनाए रखने के लिए मोबाइल फोन के उपयोग पर कड़े नियम लागू किए गए हैं।मतदान पदाधिकारियों को छोड़कर, किसी भी अन्य व्यक्ति या मतदाता को मतदान केंद्र के अंदर मोबाइल फोन या कोई अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण ले जाने की अनुमति नहीं होगी।मतदाताओं के मोबाइल फोन के संग्रहण और सुरक्षित प्रबंधन के लिए केंद्र के बाहर स्वयंसेवकों की प्रतिनियुक्ति की जाएगी।ये कर्मी मतदाताओं से फोन जमा करेंगे, उन्हें टोकन प्रदान करेंगे, और मतदान के बाद टोकन दिखाकर फोन वापस लिया जा सकेगा।

अक्षय नवमी पर्व पर महिलाओं ने की आंवले वृक्ष की पूजा

बीएनएम @ रजौली। रजौली में अक्षय नवमी (आंवला नवमी) का पर्व प्रखंड कार्यालय स्थित नर्सरी में धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में महिलाओं ने एकत्र होकर आंवले के वृक्ष की विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर पंचरत्न समेत भूआ का दान किया। साथ ही पूजा-अर्चना करने के बाद परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की।धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, अक्षय नवमी के दिन भगवान विष्णु और आंवले के वृक्ष की पूजा का विशेष महत्व है। ऐसा माना जाता है कि आज के दिन से लेकर देव उठनी एकादशी तक भगवान विष्णु आंवले के वृक्ष के नीचे ही निवास करते हैं। इसलिए इस दिन आंवले के वृक्ष की पूजा करने और उसके नीचे बैठकर भोजन करने का विशेष विधान है।मान्यता है कि अक्षय नवमी पर आंवले से जुड़े ज्योतिषीय उपाय करने से भगवान विष्णु की विशेष कृपा प्राप्त होती है। इससे व्यक्ति को आरोग्य मिलता है और जीवन में सुख-समृद्धि आती है। महिलाओं ने आंवले के वृक्ष की परिक्रमा कर अपने परिवार के कल्याण के लिए प्रार्थना की।

ई किसान भवन रजौली रबी बीज उपलब्ध

बीएनएम @रजौली। इन दिनों ई किसान भवन रजौली से किसानों के लिए रबी बीज बांटा जा रहा है। किसान बायोमेट्रिक देकर रबी बीज ले जा सकते हैं। किसान भवन के धनंजय कुमार ने बताया कि लगभग 10 दिनों से चना, मूंग और मटर का बीज का वितरण किया जा रहा है। प्रत्येक किसान को 8 किलो बीज देने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। कई पंचायत में बीज का वितरण किया जा चुका है। शेष बचे पंचायतों में बीज का वितरण किया जा रहा है। जो भी किसान को चना, मूंग और मटर का बीज चाहिए। वे ई किसान भवन रजौली आकर बायोमेट्रिक देकर बीज ले जा सकते हैं।

जिले के 21 प्रखंडो में हुआ सिंथेटिक पाराथराइड दवा का छिड़काव

» भीएल एवं पीकेडीएल मिलाकर जिले में है कालाज़ार के 24 मरीज

बीएनएम @ मोतिहारी

कालाजार उन्मूलन कार्यक्रम के तहत पूर्वी चम्पारण जिले के 21 प्रखंडों में कालाजार से बचाव हेतु सिंथेटिक पाराथराइड का छिड़काव किया गया है। यह अभियान जिले के 21 प्रखंडों में स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा 25 जुलाई से 13 अक्टूबर तक चलाया गया। वहीं रक्सौल, रामगढ़वा, अरेराज, बनकटवा, घोड़ासहन, पताहीं में कालाजार के मरीज नहीं मिलने से छिड़काव नहीं कराया गया। जिला वेक्टरजनित रोग नियंत्रण पदाधिकारी डॉ शरतचंद्र शर्मा ने बताया कि कालाज़ार बालू मक्खी के काटने से होता है। कालाजार उन्मूलन के लिए बालू मक्खियों को नष्ट करने के लिए दवा का छिड़काव कराया गया है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक माह, 06 माह एवं 12 माह पर कालाजार के मरीजों का फॉलोअप जांच किया जाता है। इसकी रिपोर्ट सभी प्रखंडों से मंगाकर अपटूडेट कर राज्य सरकार को भेजी जाती है। उन्होंने कहा कि कालाजार से बचाव के लिए जागरूकता के लिए जगह-जगह बैनर-पोस्टर, प्रचार रथ तथा माइकिंग से जागरूक किया जाता है। कालाजार मरीजों को राज्य एवं केंद्र सरकार के द्वारा 66 सौ रुपया आर्थिक सहायता दी जाती है। वहीं भारत सरकार द्वारा 500 रुपया अलग से दिया जाता है। उन्हें कुल 7100 रुपया की आर्थिक सहायता दी जाती है। वहीं धर्मेंद्र कुमार, गौतम कुमार ने बताया की द्वितीय चक्र में 85 राजस्व ग्राम के एक लाख 57 हजार 621 घरों के कुल आठ लाख 16 हजार 653 जनसंख्या वाले इलाकों में दवा का छिड़काव किया गया है। उन्होंने कहा कि जिला कालाजार उन्मूलन के तरफ अग्रसर है। भीबीडीसी धर्मेन्द्र कुमार ने बताया कि वर्ष 2018 में 196, 2019 में 119, 2020 में 69, 2021 में 67, 2022 में 67 तथा 2023 में 26 तथा 2024 में 24 एवं 2025 में अभी तक 18 कालाजार के मरीज मिले है। कालाजार के मुख्य लक्षणों में अनियमित बुखार, वजन में भारी कमी, थकान, और खून की कमी (एनीमिया) शामिल हैं। इसके अलावा, तिल्ली और यकृत में सूजन आ जाती है, भूख कम लगती है और त्वचा सूखी, पपड़ीदार और काली हो सकती है। त्वचा में बदलावः हाथ, पैर, चेहरे और पेट की त्वचा सूखी, पतली और पपड़ीदार हो जाती है। कालापनः गोरी त्वचा वाले लोगों में त्वचा का रंग भूरा पड़ जाता है, इसी कारण इसे 'काला बुखार' भी कहते हैं।

बिहार विधानसभा में निर्वाचन के अवसर पर विधि व्यवस्था के मद्दे नजर बनाए गए जिला नियंत्रण कक्ष का किया गया निरीक्षण

बीएनएम @ मोतिहारी

बिहार विधानसभा आम निर्वाचन 2025 को स्वच्छ निष्पक्ष भयरहित एवं शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न कराने को लेकर पुलिस अधीक्षक पूर्वी चंपारण के कार्यालय में जिला नियंत्रण कक्ष की स्थापना कराई गई है जिसका भारत निर्वाचन आयोग द्वारा नियुक्त पुलिस प्रेक्षक राघवेंद्र सुहासा, जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल एवं पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात के द्वारा संयुक्त रूप से निरीक्षण कर वहां पर किए जा रहे कार्यों का जायजा लिया गया। इस अवसर पर पुलिस प्रेक्षक के द्वारा विभिन्न जानकारी प्राप्त की गई। जिलाधिकारी के द्वारा वहां पर कार्य कर रहे पदाधिकारी एवं कर्मीकरण को निर्देश दिया गया कि पूरे जिला से पल-पल की रिपोर्ट सीसीटीवी के माध्यम से प्राप्त की जाए एवं सभी को पंजी में संधारित करते हुए उसे वरीय पदाधिकारी के अवलोकनार्थ उपस्थित किया जाए। इस अवसर पर विधि व्यवस्था को सुचारु रूप से संधारित करने हेतु सभी उपस्थित पदाधिकारियों/कर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

हरसिद्धि विधानसभा का प्रभारी बनाए गए अवनीश यादव, पार्टी ने सौंपी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी

बीएनएम @ हरसिद्धि/तुरकौलिया

बिहार विधानसभा आम चुनाव 2025 की घोषणा के बाद युवा राष्ट्रीय जनता दल (युवा राजद) ने संगठनात्मक स्तर पर अपनी चुनावी तैयारी तेज कर दी है। इसी क्रम में युवा राजद, बिहार के प्रदेश अध्यक्ष राजेश यादव के निर्देश पर प्रदेश महासचिव सह मुख्यालय प्रभारी शिवेन्द्र कुमार तांती ने अवनीश यादव को हरसिद्धि विधानसभा क्षेत्र (मोतिहारी) का प्रभारी मनोनीत किया है। इस नियुक्ति का उद्देश्य आगामी विधानसभा चुनाव में राष्ट्रीय जनता दल को अधिक से अधिक सीटों पर विजय दिलाना और नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी प्रसाद यादव को मुख्यमंत्री बनाना बताया गया है। श्री तांती ने कहा कि विधानसभा प्रभारी अपने क्षेत्र के सभी प्रखंडों, पंचायतों और गांवों में जाकर नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी प्रसाद यादव द्वारा बीते 17 महीनों में किए गए विकास कार्यों एवं जनहित की घोषणाओं को जनता तक पहुँचाने का कार्य करेंगे। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि नवनियुक्त प्रभारी पार्टी द्वारा सौंपी गई जिम्मेदारी को निष्ठा, समर्पण और ईमानदारी के साथ निभाते हुए संगठन को और अधिक मजबूत करेंगे। अवनीश यादव को प्रभारी बनाए जाने पर पार्टी नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने उन्हें शुभकामनाएँ और बधाई दी है।

राज्य स्तरीय विद्यालय तलवारबाजी प्रतियोगिता का हुआ शुभारंभ

बीएनएम @ मोतिहारी

खेल विभाग, बिहार राज्य खेल प्राधिकरण पटना एवं जिला प्रशासन पूर्वी चंपारण के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित तीन दिवसीय राज्य स्तरीय अंडर- 14/17/ 19 बालक/ बालिका तलवारबाजी प्रतियोगिता का शुभारंभ आयोजन सचिव -सह- जिला खेल पदाधिकारी पूर्वी चंपारण शुभम कुमार एवं खेल संयोजक सह जिला खेल पदाधिकारी पश्चिमी चंपारण विजय पंडित, जिला तलवारबाजी संघ के अध्यक्ष जीवेश सिंह, सचिव अप्पु कुमार, कोषाध्यक्ष पंकज कुमार वर्मा तथा अन्य गणमान्य अतिथियों के द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया। यह प्रतियोगिता 30 अक्टूबर से 01 नवम्बर 2025 तक खेल भवन, मोतिहारी में आयोजित है। इस राज्य स्तरीय तलवारबाजी प्रतियोगिता में पांच प्रमंडलों तिरहुत, पटना, सारण, भागलपुर, मुंगेर के 144 खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के द्वारा प्रतिनियुक्त अनुराग चौधरी, राजन कुमार, शुभम कुमार एवं सन्नी प्रकाश तथा गौरव कुमार ने निर्णायक की भूमिका निभा रहे हैं। उद्घाटन समारोह के अवसर पर उपस्थित जिला खेल पदाधिकारी शुभम कुमार ने खेल की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। इस मौके पर साइक्लिंग संघ के सचिव सिद्धार्थ वर्मा, कबड्डी संघ के सचिव भानु प्रकाश, शारीरिक शिक्षा शिक्षक मुन्ना पाण्डेय, सर्वोत्तम रंजन, मनोज कुमार प्रसाद, श्वेतांजलि, पवन शरण, रश्मि रंजन, विपुल आनन्द, गुड़िया कुमारी, मोहम्मद मोबसिर, रमेश कुमार आदि उपस्थित थे।

मतदान कर्मियों को दिए जा रहे प्रशिक्षण का जिलाधिकारी ने किया निरीक्षण

बीएनएम @ मोतिहारी

बिहार विधानसभा निर्वाचन 2025 को स्वच्छ निष्पक्ष एवं पारदर्शी तरीके से संपन्न कराने को लेकर मतदान दल के पदाधिकारी एवं कर्मियों को मोतिहारी स्थित सीएस डीएवी पब्लिक स्कूल बनकट में दिए जा रहे द्वितीय स्तरीय प्रशिक्षण के पहले दिन गुरुवार को जिलाधिकारी के द्वारा निरीक्षण किया गया। उक्त निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने कहा कि मतदान केंद्र पर संपूर्ण गतिविधि मतदान कर्मियों के द्वारा ही संपन्न करनी होती है इसलिए द्वितीय स्तरीय प्रशिक्षण का अपने आप में बहुत महत्व है। सभी कर्मी एवं पदाधिकारी अच्छे से प्रशिक्षण प्राप्त करें, ईवीएम का हैंड्स ऑन ट्रेनिंग पुनः कर लें ताकि मतदान केंद्र पर कहीं किसी को कोई संशय या परेशानी उत्पन्न नहीं हो। अगर कोई समस्या उत्पन्न भी होती है तो उसे ठीक करने की जानकारी प्राप्त कर ले। कहीं कोई संशय हो तो उसके बारे में बार-बार जानकारी प्राप्त कर लें। प्रशिक्षण दे रहे ट्रेनर के द्वारा जो भी बातें बताई जा रही है उसे सावधानी पूर्वक सुने एवं उसे अलग पंजी में नोट कर लें, जो मतदान के दिन बहुत ही हेल्पफुल होगा। जिलाधिकारी के द्वारा सीएस डीएवी प्रशिक्षण केंद्र पर मतदान कर्मियों के द्वारा किए जा रहे मतदान का भी निरीक्षण किया गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने वहां उपस्थित पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि भारत निर्वाचन आयोग से प्राप्त गाइडलाइन का पूर्णता के साथ अनुपालन करते हुए पोस्टल बैलेट से मतदान को संपन्न कराया जाए। इस अवसर पर सहायक समाहर्ता प्रिया रानी एवं पोस्टल बैलेट कोषांग के वरीय पदाधिकारी सह अपर समाहर्ता मुकेश कुमार सिंहा एवं नोडल पदाधिकारी जिला कृषि पदाधिकारी सह मनीष कुमार सहित कोषांग के अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक के द्वारा मतदाता सूची विखंडीकरण के कार्य का किया गया निरीक्षण

बीएनएम @ मोतिहारी

बिहार विधानसभा निर्वाचन 2025 के अवसर पर जिला निर्वाचन शाखा द्वारा तैयार कराए गए मतदाता सूची के विखंडीकरण का कार्य गुरुवार से प्रारंभ हुआ है। यह कार्य मोतिहारी स्थित महात्मा गांधी प्रेक्षा गृह में कराया जा रहा है। जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल एवं पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात के द्वारा विखंडीकरण के कार्य का सूक्ष्मता से अवलोकन किया गया एवं इस कार्य में लगे हुए सभी पदाधिकारी एवं कर्मियों को पुरी गंभीरता एवं जवाबदेही के साथ इस कार्य को पूर्ण करने का निर्देश दिया गया। जिलाधिकारी के द्वारा इस अवसर पर बताया गया कि मतदाता सूची विखंडन के बाद मतदाता सूची की यही प्रति मतदान केंद्रों पर जाएगी जिसके आधार पर मतदान संपन्न कराया जाएगा।

मतदान कर्मियों का द्वितीय चरण का प्रशिक्षण सफलतापूर्वक संपन्न

बीएनएम @ शेखपुरा

प्रशिक्षण समाप्त होने के बाद कर्मचारी

आगामी 6 नवंबर 2025 को होने वाले मतदान के लिए प्रतिनियुक्त किए गए मतदान कर्मियों के द्वितीय चरण का प्रशिक्षण आज सफलतापूर्वक संपन्न हो गया। यह चरणबद्ध प्रशिक्षण 24 अक्टूबर 2025 को प्रारंभ हुआ था।इस विस्तृत प्रशिक्षण सत्र में मतदान कर्मियों को चुनाव संबंधी सभी बारीकियों तथा इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन के संचालन की विस्तृत और प्रायोगिक जानकारी दी गई। प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना था कि सभी कार्मिक मतदान के दिन अपनी ड्यूटी के लिए पूरी तरह से तैयार और सक्षम हों।डाक से मतदान की सुविधाप्रशिक्षण के समापन के साथ ही, मतदान कार्य में प्रतिनियुक्त किए गए कर्मचारियों के लिए डाक से मतदान की प्रक्रिया भी आज जारी रही।यह व्यवस्था उन कर्मियों के लिए सुनिश्चित की गई है जो चुनाव ड्यूटी के कारण 6 नवंबर 2025 को अपने मूल मतदान केंद्र पर वोट नहीं डाल सकते हैं।यह सुविधा उन्हें अपने मताधिकार का प्रयोग करने का अवसर प्रदान करती है।चुनाव आयोग के निर्देशों के अनुसार, यह कदम निष्पक्ष और सुचारु रूप से मतदान सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास है। सभी आवश्यक तैयारियों को समय पर पूरा करने पर जोर दिया जा रहा है।

आंवला नवमी पर चैती दुर्गामंदिर में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

» महिलाओं ने परिवार की सुख-समृद्धि के लिए किया पूजन

बीएनएम @ जमुई/झाझा

पूजा अर्चना करती महिलाएं

गुरुवार को कार्तिक शुक्ल नवमी के अवसर पर नगर क्षेत्र स्थित चैती दुर्गामंदिर में आंवला नवमी पर्व धूमधाम से मनाया गया। तड़के सुबह से ही बड़ी संख्या में महिला श्रद्धालु मंदिर परिसर में जुटीं और आंवला वृक्ष की पूजा-अर्चना की। महिलाओं ने लाल सूत (रक्षा सूत्र) बांधकर पूरे परिवार की सुख-समृद्धि, उत्तम स्वास्थ्य और कल्याण की कामना की। पूजन के दौरान पंडित दिलीप झा ने वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच श्रद्धालुओं से संकल्प कराया। उन्होंने बताया कि आंवला वृक्ष के नीचे भगवान विष्णु का पूजन और कुष्मांड (भुआ) दान करने से अनंत पुण्य की प्राप्ति होती है, जो कभी क्षय नहीं होता। इससे व्यक्ति को जीवन में शांति, समृद्धि और मोक्ष की प्राप्ति होती है। पूजन के बाद महिलाओं ने आंवला वृक्ष के नीचे सामूहिक भोज का आयोजन किया। कई परिवारों ने खिचड़ी, चना दाल, अरवा चावल और भुआ की सब्जी बनाकर प्रसाद ग्रहण किया। व्रत रखने वाली महिलाओं ने परिवार के साथ प्रसाद ग्रहण कर व्रत का समापन किया। आंवला नवमी पर महिलाओं ने श्रद्धाभाव से पारंपरिक रीति निभाई और भगवान विष्णु से परिवार की मंगलकामना की।

संक्षिप्त समाचार

हम पार्टी के नेता पर हमले की निंदा

बीएनएम @ गया जी: भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता डॉ. मनीष पंकज मिश्रा सहित भाजपा नेताओं के द्वारा टेकरी विधानसभा क्षेत्र से एनडीए के प्रत्याशी डॉ. अनिल कुमार पर हुए जानलेवा हमले की प्रेस वार्ता कर कड़ी शब्दों में निंदा की है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में मत का अत्यंत महत्व होता है, और जनता अपने मत के माध्यम से ही योग्य प्रतिनिधियों का चयन करती है। लेकिन कुछ असामाजिक तत्व और उग्रवादी मानसिकता वाले लोग लोकतंत्र की मर्यादा को तार-तार करने पर आमादा हैं। उम्मीदवारों पर हमला करना, मतदाताओं को डराना या धमकाना किसी भी सूरत में स्वीकार्य नहीं है। यह लोकतंत्र की आत्मा पर सीधा प्रहार है, जिसे कभी बर्दाश्त नहीं किया जा सकता।डॉ. मिश्रा ने कहा कि इस प्रकार की घटनाएँ यह दर्शाती हैं कि पूरी तरह हताश और विचलित हो चुका है। जनता में एनडीए के प्रति बढ़ते समर्थन और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की लोकप्रियता से विपक्ष घबराया हुआ है। इसलिए वे चुनावी मैदान में जनसमर्थन की कमी को हिंसा और भय का वातावरण बनाकर पूरा करना चाहते हैं, जो अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है।उन्होंने जिला प्रशासन और राज्य सरकार से मांग की कि ऐसे अपराधियों को शीघ्र चिन्हित कर उनके खिलाफ सख्त से सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए ताकि भविष्य में कोई भी व्यक्ति लोकतांत्रिक प्रक्रिया में बाधा डालने का साहस न करे। साथ ही, उन्होंने यह भी कहा कि के , जो उकसावे की राजनीति कर रहे हैं, उन्हें भी कानून के दायरे में लाया जाए। डॉ. मिश्रा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी लोकतंत्र की रक्षा के लिए सदैव प्रतिबद्ध है और जनता की सुरक्षा व सम्मान सर्वोपरि है। आज के प्रेस वार्ता में भारतीय जनता पार्टी प्रदेश कार्य समिति के सदस्य राजेंद्र प्रसाद अधिवक्ता, गोपाल प्रसाद यादव आदि मौजूद थे।

आरपीएफ जवान ने बचायी पैसेंजर की जान

बीएनएम @ गया जी : पूर्व मध्य रेलवे के डीडीयू रेल मंडल के गया जंक्शन पर बुधवार को प्लेटफार्म संख्या दो पर सेंट्रल फुट ओवर ब्रिज के पास ट्रेन से एक यात्री नीचे प्लेटफार्म पर आ गिरा। ड्युटी में तैनात आरपीएफ के जवान नारायण राम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए यात्री को सुरक्षित बचाया। बुधवार को 12444 डाउन हल्दीया-आंनद बिहार एक्सप्रेस आकर अपने निर्धारित ठहराव समय में रुकी। इस दौरान कोच एस-01 में यात्रा कर रहे एक यात्री पानी लेने के लिए प्लेटफार्म पर उतरे और वाटर टैब से पानी भरने लगे इसी दौरान उक्त ट्रेन अपने गंतव्य को धीरे-धीरे प्रस्थान करने लगी। पानी भर रहे उक्त यात्री चलती ट्रेन में दौडकर चढने के प्रयास में गीर गये और चलती ट्रेन तथा प्लेटफार्म के बीच के स्थान में जाने लगा। मौके पर तैनात आरपीएफ जवान ने त्वरित कार्यवाही करते हुए ट्रेन के नीचे रेल लाईन पर जा रहे यात्री को खीचकर बाहर सुरक्षित निकाला तथा चिल्लाकर ट्रेन मैनेजर से कहकर ट्रेन को रुकवाया। यात्री को सुरक्षित उक्त ट्रेन मै बैठाया गया।

मोंथा चक्रवात का असर से बारिश से धान फसल को नुकसान की आशंका

बीएनएम @ गया जी: जिले में चक्रवाती तूफान मोन्था के असर से में दो दिनों से हो रही बारिश से काफी नुकसान हुआ है। इस बारिश से धान की फसल को भारी नुकसान होने की संभावना बन गई है। खेत में काट रखी गई धान फसल बारिश के पानी से भींग गया है। इससे किसानों के चेहरे मुरझाने लगा है। उनमें मायूसी देखी जा रही है। क्षेत्र में मोंथा चक्रपात के असर से मंगलवार की रात से ही बारिश शुरू हो गई जो बुधवार को पूरे दिन होते रही। गुरुवार को भी दिनभर बादल छाए रहे और पूरे दिन बारिश होती रही। इस बारिश से धान की फसल को भारी नुकसान होने की संभावना प्रबल हो गई। जिले में इस साल काफी अच्छी बारिश हुई है। जिले में धान का फसल पककर तैयार है और उसकी कटाई भी शुरू हो गई। बारिश के कारण पककर तैयार धान फसल के नुकसान की आशंका है। खासकर काटकर रखी गई धान की फसल को भारी नुकसान हो सकता है। कृषि अधिकारी के अनुसार जो फसल खड़ी है उसे ज्यादा बारिश नहीं होने पर नुकसान नहीं होगा। वहीं सरसों और आलू फसल को बारिश से फायदा होगा। हालांकि बारिश के कारण आलू के बोनी पर भी असर पड़ेगा। जो किसान आलू नहीं लगा सके हैं, उन्हें मौसम के खुलने का इंतजार करना पड़ेगा।

विशाल राज के निधन पर शोकसभा आयोजित

बीएनएम @ गया जी: गया कॉलेज, गया में आज एक भावपूर्ण शोक सभा का आयोजन किया गया, जिसमें राष्ट्रपति से सम्मानित कॉलेज के प्रतिभाशाली छात्र विशाल राज के असामयिक निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया गया।कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो सतीश सिंह चंद्र ने की। प्राचार्य ने कहा कि श्री विशाल राज न केवल महाविद्यालय के उज्ज्वल छात्र थे, बल्कि अपने उत्कृष्ट शैक्षणिक प्रदर्शन, विनम्र स्वभाव और समाजसेवी दृष्टिकोण के कारण सभी के प्रिय थे। उनका राष्ट्रपति द्वारा सम्मानित होना महाविद्यालय के लिए गौरव का विषय था।प्राचार्य ने अपने उद्बोधन में कहा कि श्री विशाल राज का निधन न केवल महाविद्यालय के लिए अपूरणीय क्षति है, बल्कि संपूर्ण समाज के लिए भी एक बड़ी हानि है। उनके आदर्श, मेहनत और समर्पण भाव से प्रेरणा लेकर विद्यार्थी जीवन में आगे बढ़ने का आह्वान किया गया।शोक सभा में उपस्थित शिक्षकों, विद्यार्थियों और कर्मचारियों ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। सभी ने श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की।सभा का समापन इस संकल्प के साथ किया गया कि विशाल राज की स्मृति को सदा जीवित रखा जाएगा और उनके नाम से महाविद्यालय में एक "विशाल राज स्मृति व्याख्यान प्रबंधन विभाग में प्रत्येक वर्ष" किया जाएगा।

गीत, संगीत एवं नुक्कड़ नाटक के माध्यम से मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

बीएनएम @ सहरसा। भारत सरकार, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के केन्द्रीय संचार ब्यूरो (सी.बी.सी.), पटना एवं स्वीप कोषांग, सहरसा द्वारा जिले में गीत संगीत एवं नुक्कड़ नाटक के माध्यम से गुरुवार से मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। केन्द्रीय संचार ब्यूरो, पटना में पंजीकृत सांस्कृतिक दल लोग रंग मधुबनी के कलाकारों ने मनमोहक गीत, संगीत एवं नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत कर भारी संख्या में लोगों को अधिक से अधिक संख्या में मतदान करने के लिए प्रेरित किया। सांस्कृतिक दल के कलाकारों ने अपने गीत, संगीत एवं नुक्कड़ नाटक के माध्यम से उपस्थित लोगों को मतदान के महत्व को समझाते हुए आगामी 6 नवम्बर को अपने- अपने मतदान केंद्र पर पहुँच कर अत्यधिक संख्या में मतदान करने की अपील की। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों को जानकारी दी गई कि अगर किसी मतदाता का मतदाता सूची में नाम है लेकिन मतदाता पहचान पत्र नहीं है ऐसे व्यक्ति भी मतदान केंद्र पर फोटो लगा हुआ कोई भी कार्ड जैसे आधार कार्ड, राशन कार्ड, पहचान पत्र इत्यादि लेकर मतदान केंद्र पर जाकर मतदान दे सकते हैं। सांस्कृतिक दल के कलाकारों में टीम लीडर जटाधर पासवान, नन्द कुमार, रीति प्रिया, चंदन कुमार और गणेश कुमार शामिल थे।कार्यक्रम के नोडल अधिकारी मिहिर कुमार झा ने बताया कि जिले में जहाँ मतदान प्रतिशत कम है ऐसे कुल 6 अलग- अलग विधानसभा में यह कार्यक्रम होना है।

सीवान में अपराधियों के हौसले बुलंद, एएसआई की धारदार हथियार से हत्या

» पुलिस महकमे में हड़कंप, खेत में मिला शव
» घटना स्थल पर पहुच एसपी ने लिया जायजा

बीएनएम @ सीवान

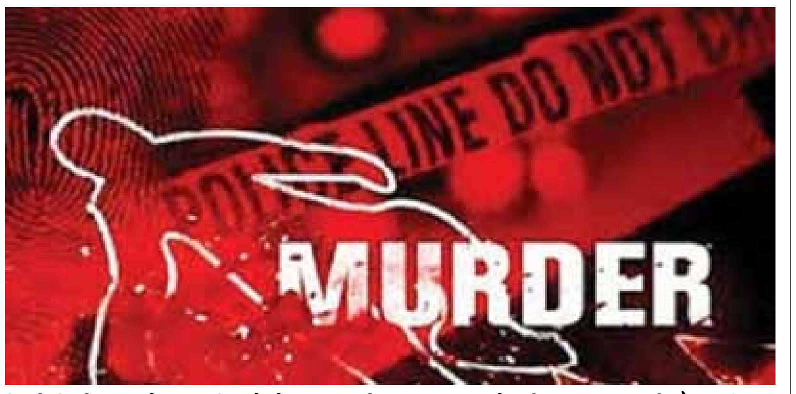

बिहार में अपराधियों के हौसले लगातार बढ़ते जा रहे हैं। गुरुवार सुबह सीवान जिले के दरौंदा थाना क्षेत्र में तैनात एएसआई (सहायक उपनिरीक्षक) अनिरुद्ध कुमार की बेरहमी से हत्या कर दी गई। उनका शव सिरसा नवका टोला स्थित सड़क किनारे खेत में खून से लथपथ हालत में बरामद किया गया। पुलिस की शुरुआती जांच में सामने आया है कि अपराधियों ने धारदार हथियार से गला काटकर उनकी हत्या की और रात में शव को खेत में फेंक दिया।सुबह ग्रामीणों ने खेत में शव देखकर पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची दरौंदा थाना पुलिस ने शव की पहचान एएसआई अनिरुद्ध कुमार के रूप में की, जो उसी थाने में तैनात थे। पुलिस ने बताया कि हत्या बेहद योजनाबद्ध तरीके से की गई है और मृतक उस समय सिविल ड्रेस में थे, संभवतः किसी निजी काम से बाहर निकले थे। घटना की सूचना पर सीवान एसपी मनोज कुमार तिवारी और एसडीपीओ दरौंदा भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने घटनास्थल का निरीक्षण किया और फॉरेंसिक टीम को साक्ष्य एकत्र करने का निर्देश दिया। साथ ही पुलिस ने आसपास के क्षेत्रों में लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच शुरू कर दी है और मृतक के मोबाइल कॉल रिकॉर्ड खंगाले जा रहे हैं।स्थानीय सूत्रों के अनुसार, यह हत्या किसी प्रेम-प्रसंग से जुड़े विवाद का नतीजा भी हो सकती है। पुलिस इस एंगल से भी जांच कर रही है। अनिरुद्ध कुमार सीवान के मूल निवासी नहीं थे, बल्कि उनकी पोस्टिंग दरौंदा थाने में थी। घटना के बाद इलाके में दहशत फैल गई है। लोग इसे पुलिस व्यवस्था पर गहरी चोट मान रहे हैं। फिलहाल शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए विशेष टीमों का गठन किया गया है। एसपी मनोज कुमार तिवारी ने कहा कि "मामले की हर दिशा में जांच की जा रही है, दोषियों को जल्द गिरफ्तार किया जाएगा।"

प्रधानमंत्री मोदी को नुक्कड़ सभा करना शोभा नहीं देता : राबड़ी देवी

बीएनएम @ पटना

बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी ने गुरुवार को एनडीए सरकार पर तीखा हमला बोला। चुनाव प्रचार की शुरुआत करते हुए उन्होंने दानापुर में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अगर इतने विकास कर चुके हैं, तो उन्हें घर-घर जाकर वोट मांगने की जरूरत क्यों पड़ रही है। उन्होंने कहा, "पीएम मोदी नुक्कड़ सभा कर रहे हैं, यह उन्हें शोभा नहीं देता।"राबड़ी देवी ने आरोप लगाया कि एनडीए ने पिछले 20 वर्षों में बिहार की जनता को ठगने का काम किया है। उन्होंने कहा कि जनता अब ठगा हुआ महसूस कर रही है और इस बार बदलाव के लिए वोट करेगी। उन्होंने कहा, "हम जनता के बीच जा रहे हैं, कोई भी नीतीश कुमार की सरकार से खुश नहीं है। जनता मालिक है और बदलाव तय है।"पूर्व मुख्यमंत्री ने दावा किया कि एनडीए नेताओं को अपनी हार का डर सता रहा है, इसलिए पीएम मोदी और अमित शाह लगातार सभाएं कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि 14 नवंबर को आने वाले परिणाम से साबित होगा कि जनता अब ठगी नहीं सहने वाली।राबड़ी देवी ने पहले ही सोशल मीडिया पोस्ट में वादा किया था कि तेजस्वी यादव की सरकार बनने पर जीविका दीदियों को स्थायी नौकरी, 30 हजार रुपए वेतन, 5 लाख रुपए बीमा और ब्याजमुक्त लोन जैसी सुविधाएं दी जाएंगी। उन्होंने कहा कि महागठबंधन की सरकार बनने पर बिहार में असली बदलाव दिखाई देगा।

मुजफ्फरपुर कोर्ट में राहुल गांधी के खिलाफ परिवादपत्र दायर

» पीएम मोदी और छठ पर्व को लेकर की गयी थी टिप्पणी

बीएनएम @ पटना/ मुजफ्फरपुर

राहुल गांधी

बिहार विधानसभा चुनाव जैसे-जैसे नजदीक आ रहे हैं, नेताओं के विवादित बयान सियासत को और गर्मा रहे हैं। अब कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के एक बयान ने नया तूफान खड़ा कर दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और छठ महापर्व को लेकर की गई उनकी टिप्पणी के खिलाफ मुजफ्फरपुर की अदालत में शिकायत दर्ज की गई है।अधिवक्ता सुधीर कुमार ओझा ने मुजफ्फरपुर जिला न्यायालय में राहुल गांधी के खिलाफ परिवाद दायर किया है। ओझा ने आरोप लगाया है कि 29 अक्टूबर को सकरा विधानसभा क्षेत्र में आयोजित जनसभा के दौरान राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री मोदी और छठ पर्व पर अपमानजनक टिप्पणी की थी। उन्होंने अदालत से भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धारा 223 के तहत मुकदमा चलाने और राहुल गांधी की गिरफ्तारी की मांग की है। परिवाद में कहा गया है कि राहुल गांधी ने अपने भाषण में कहा था, "चुनाव जीतने के लिए प्रधानमंत्री मोदी कुछ भी कर सकते हैं। अगर आप कहेंगे तो वो मंच पर नाचने लगेंगे। छठ पर्व पर भी मोदी जी ड्रामा कर रहे हैं।"शिकायतकर्ता का कहना है कि इस बयान से हिंदू समाज की धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं और प्रधानमंत्री के सम्मान को ठेस पहुंची है।राहुल गांधी की इस टिप्पणी के बाद बिहार की राजनीति में जबरदस्त हलचल मच गई है। भाजपा नेताओं ने इसे हिंदू विरोधी मानसिकता करार दिया है, जबकि कांग्रेस ने सफाई दी है कि राहुल का बयान राजनीतिक व्यंग्य था, जिसका गलत अर्थ निकाला गया।राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यह मामला चुनावी माहौल में कांग्रेस के लिए मुश्किलें बढ़ा सकता है, खासकर उस समय जब राज्य में छठ पर्व जैसी आस्था से जुड़ी भावनाएं चरम पर हैं।अब सबकी निगाहें मुजफ्फरपुर कोर्ट पर टिकी हैं, जहां यह देखना बाकी है कि अदालत राहुल गांधी के खिलाफ क्या कार्रवाई का आदेश देती है।

ओम् मेडिटेशन' और 'रेकी हीलिंग' के नियमित अभ्यास से मिल रहा नया जीवन

» वैज्ञानिक आध्यात्मिक पद्धति से कैंसर रोगियों में 92% तक सुधार

बीएनएम @ पटना

कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से जूझ रहे मरीजों के लिए एक नई उम्मीद की किरण सामने आई है। हाल ही में किए गए एक अध्ययन में यह पाया गया है कि वैज्ञानिक आध्यात्मिक पद्धति के अंतर्गत किए गए 'ओम् मेडिटेशन' और 'रेकी हीलिंग' के संयुक्त अभ्यास से कैंसर रोगियों के शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य में उल्लेखनीय सुधार दर्ज किया गया है। यह अध्ययन इस बात का प्रमाण बन गया है कि जब पारंपरिक चिकित्सा के साथ वैज्ञानिक रूप से सिद्ध आध्यात्मिक विधियाँ जोड़ी जाती हैं, तो उपचार की गति और प्रभाव दोनों में वृद्धि होती है।इस अध्ययन में 15 से 65 वर्ष आयु वर्ग के कुल 42 कैंसर रोगियों को शामिल किया गया। सभी प्रतिभागियों का चयन यादृच्छिक नमूना पद्धति के आधार पर किया गया था। 30 दिनों तक उन्हें 'ओम् मेडिटेशन' और 'रेकी हीलिंग' का नियमित अभ्यास कराया गया। इसके बाद उनके शारीरिक और मानसिक परिवर्तनों का वैज्ञानिक विश्लेषण किया गया।परिणाम बेहद सकारात्मक रहे—मरीजों के समग्र स्वास्थ्य में औसतन 92.8 प्रतिशत सुधार दर्ज किया गया। दर्द और मानसिक आघात में 97.62 प्रतिशत कमी, कीमोथेरेपी के दुष्प्रभावों में 85.7 प्रतिशत राहत, चिंता में 90.47 प्रतिशत सुधार और मृत्यु के भय में 85.7 प्रतिशत तक कमी देखी गई। वहीं, पारंपरिक दवाओं पर शरीर की प्रतिक्रिया में भी 88.09 प्रतिशत सुधार दर्ज किया गया।शोधकर्ताओं का मानना है कि यह सफलता श्रद्धेय गुरु डॉ. मनोज कुमार बिमल द्वारा विकसित वैज्ञानिक-आध्यात्मिक साधना पद्धति का परिणाम है। डॉ. बिमल लंबे समय से ध्यान, रेकी और वैज्ञानिक चिकित्सा को जोड़कर रोगियों में आत्मशक्ति और सकारात्मक ऊर्जा विकसित करने के कार्य में लगे हैं।यह अध्ययन 'ResearchGate' प्लेटफॉर्म पर भी दर्ज है, जहाँ इसके वैज्ञानिक प्रमाण और सहकर्मी-समीक्षित प्रकाशनों के लिंक उपलब्ध हैं।निष्कर्ष यह निकला कि वैज्ञानिक आध्यात्मिक चिकित्सा न केवल लक्षणों को नियंत्रित करती है, बल्कि रोगियों में आत्मविश्वास, मानसिक संतुलन और जीवन के प्रति आशावादी दृष्टिकोण भी विकसित करती है। यह पद्धति भविष्य में कैंसर जैसी घातक बीमारियों से लड़ने में एक प्रभावी सहायक उपचार के रूप में उभर सकती है।

एनडीए प्रत्याशी को जनता ने दूध से नहलाकर किया स्वागत

जनता ही मेरे भगवान –अमरेंद्र पांडेय

बीएनएम @ पटना/गोपालगंज

एनडीए प्रत्याशी अमरेंद्र पांडेय

बिहार विधानसभा चुनाव के बीच गोपालगंज जिले की कुचायकोट सीट से एक अनोखा दृश्य देखने को मिला। यहां एनडीए प्रत्याशी अमरेंद्र पांडेय उर्फ पप्पू पांडेय का स्वागत कुछ इस तरह हुआ कि पूरा इलाका चर्चा में आ गया। कर्णपुरा गांव में ग्रामीणों ने अपने नेता को 1 क्विंटल दूध से नहलाया, पीली धोती-कुर्ता पहनाया और सिर पर चांदी का मुकुट सजाकर तीर-धनुष अर्पित किया।ग्रामीणों ने बताया कि यह सम्मान किसी राजनीतिक रस्म से नहीं, बल्कि आस्था और प्रेम के भाव से प्रेरित था। एक बुजुर्ग ग्रामीण ने कहा, "पप्पू पांडेय हमारे बीच के नेता ही नहीं, हमारे श्रीराम और महादेव समान हैं। जिस तरह भगवान को दूध से स्नान कराया जाता है, वैसे ही हमने अपने प्रिय नेता का अभिनंदन किया।"इस भावनात्मक क्षण में वहां मौजूद कई लोग भावुक हो उठे।कार्यक्रम के दौरान चारों ओर "जय पप्पू पांडेय" और "जनता के महादेव अमर रहें" के नारे गूंज उठे। महिलाएं आरती की थाल लेकर स्वागत में खड़ी थीं, जबकि युवाओं ने पारंपरिक गीतों और नृत्य से माहौल को उत्सव में बदल दिया।

"जनता ही मेरे भगवान हैं" - अमरेंद्र पांडेय- अमरेंद्र पांडेय ने कहा कि यह सम्मान उनके लिए किसी पुरस्कार से कम नहीं है। उन्होंने कहा, "जनता ही मेरे भगवान हैं। उनका स्नेह और आशीर्वाद ही मेरी असली ताकत है। तीर-धनुष प्रतीक है उनके विश्वास का, और मैं इस भरोसे को कभी टूटने नहीं दूंगा।"उन्होंने कहा कि उनका एकमात्र लक्ष्य जनता की सेवा करना है। "चुनाव तो आता-जाता रहेगा, लेकिन जनता का दिल जीतना ही सबसे बड़ी जीत होती है," उन्होंने कहा।गांव के बुजुर्गों से लेकर युवाओं तक, हर वर्ग के लोगों ने इस सम्मान समारोह में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। ग्रामीणों ने बताया कि पप्पू पांडेय हमेशा लोगों के सुख-दुख में साथ रहे हैं और यही कारण है कि आज पूरा गांव उनके स्वागत में उमड़ पड़ा।कर्णपुरा में आयोजित यह कार्यक्रम अब पूरे कुचायकोट विधानसभा क्षेत्र में चर्चा का केंद्र बन गया है। जिस आत्मीयता से ग्रामीणों ने अपने नेता का सम्मान किया, उसने यह साबित कर दिया कि राजनीति केवल सत्ता की नहीं, बल्कि रिश्ते और विश्वास की भी बात होती है।यह आयोजन यह भी दिखाता है कि जनता का भरोसा और प्रेम किसी भी नेता के लिए सबसे बड़ा पुरस्कार है — और इस बार कर्णपुरा की जनता ने यह बात पूरे बिहार को दिखा दी है।

एनएच पर गिरा गुलमोहर का पेड़, यातायात बाधित

एनएच पर गिरा गुलमोहर का पेड़

बीएनएम @ जमुई/झाझा

थाना क्षेत्र के हथिया गांव के समीप एनएच-333ए पर गुरुवार की शाम अचानक एक विशाल गुलमोहर का पेड़ भरभरा कर सड़क पर गिर गया। पेड़ गिरने से कुछ देर के लिए सड़क पर आवागमन पूरी तरह बाधित हो गया। राहगीरों और वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ा। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए बिजली विभाग को सूचित किया।सूचना पाकर कनीय विद्युत अभियंता आदित्य कुमार अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे और गिरने से टूटे बिजली तारों को जोड़कर बिजली आपूर्ति बहाल की। इस दौरान ग्रामीणों ने भी सहयोग किया। ग्रामीण सतोष कुमार ने बताया कि गनीमत यह रही कि घटना के समय वहां कोई व्यक्ति मौजूद नहीं था, वरना बड़ी दुर्घटना हो सकती थी।घटना की जानकारी मिलने पर वन विभाग की टीम भी मौके पर पहुंची और पूरे मामले की जांच की। टीम ने पेड़ गिरने के कारणों की जानकारी ग्रामीणों से ली।

न्यायाधीशों की नियुक्ति में पारदर्शिता' विषय पर व्याख्यान

बीएनएम @गया जी/ टिकारी

दक्षिण बिहार केन्द्रीय विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ लॉ एंड गवर्नेंस (एसएलजी) ने 'न्यायाधीशों की नियुक्ति में पारदर्शिता' विषय पर अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया | कुलपति प्रो कामेश्वर नाथ सिंह के संरक्षण में आयोजित कार्यक्रम में लखनऊ विश्वविद्यालय प्रो. वरुण छाछर ने मूट कोर्ट हॉल में अपना व्याख्यान दिया । प्रो. वरुण छाछर ने न्यायाधीशों के नियुक्ति में पारदर्शिता एवं प्रक्रिया के सुनिश्चित करने पर जोर देते हुए प्रकाश डाला । उन्होंने कहा कि न्यायालयों की स्वतंत्रता एवं पारदर्शिता विकसित भारत 2047 के लक्ष्य की प्राप्ति में काफी सहायक होगा। जन सम्पर्क पदाधिकारी (पीआरओ) मोहम्मद मुदस्सीर आलम ने बताया कि औपचारिक उद्घाटन के पश्चात एसएलजी के डीन एवं अध्यक्ष प्रो. अशोक कुमार ने अपने संबोधन की शुरुआत में अतिथि वक्ता का स्वागत किया | उन्होंने भारत सरकार न्यायाधीशों के नियुक्ति को और सशक्त और पारदर्शी बनाने के साथ उनके स्वतंत्रता पर सामंजस्य बनाने की बात की । इस अवसर पर प्रो. अशोक कुमार के साथ प्रो. संजय प्रकाश श्रीवास्तव, प्रो. पी. के. दास, डॉ. पूनम कुमारी, डॉ. देव नारायण सिंह, श्री मणि प्रताप, डॉ. निहारिका सिंह एवं बीए एलएलबी और बीबीए एलएलबी के छात्र छात्राएं मौजूद रहें । अंत में श्री मणि प्रताप, सहायक प्राध्यापक, एसएलजी ने धन्यवाद ज्ञापन दिया।

बिहार को बिहार का लाल ही चलाएगा :तेजस्वी यादव

» एनडीए पर लगाए बिहार को कब्जाने का आरोप

बीएनएम @ पटना

तेजस्वी यादव

बिहार विधानसभा चुनाव का माहौल अब पूरी तरह गरम हो चुका है। पहले चरण के लिए 6 नवंबर को मतदान होना है और इस बीच सियासी बयानबाजी अपने चरम पर है। पटना में आयोजित एक जनसभा के दौरान महागठबंधन के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार तेजस्वी प्रसाद यादव ने एनडीए पर तीखा प्रहार किया। उन्होंने कहा कि भाजपा और उसके सहयोगी दल बिहार को "कब्जाना" चाहते हैं, लेकिन बिहार को बिहार का लाल ही चलाएगा, कोई बाहरी नहीं।तेजस्वी यादव ने गृह मंत्री अमित शाह के उस बयान पर पलटवार किया जिसमें उन्होंने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को फिर से सीएम पद के लिए उपयुक्त बताया था। तेजस्वी ने कहा, "अमित शाह कहते हैं कि बिहार में उद्योग-कारखाने नहीं लगाए जा सकते क्योंकि यहां भूमि की कमी है। लेकिन सवाल है कि फिर गुजरात में सब कुछ क्यों लगाना चाहते हैं? बिहार से सिर्फ वोट लेना है, देना कुछ नहीं।" उन्होंने कहा कि अब बिहार की जनता ठान चुकी है कि वह ऐसे लोगों को सबक सिखाएगी। तेजस्वी ने सरकार पर मतदाताओं को प्रभावित करने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा, "सरकार ने चुनाव के बीच 10 लाख महिलाओं के खाते में 10,000 डाल दिए। यह रिश्वत है। चुनाव आयोग को जवाब देना चाहिए कि आखिर ऐसी अनुमति कैसे दी गई। यह पैसा चुनाव के बाद ब्याज समेत वापस वसूला जाएगा।" सभा के अंत में तेजस्वी ने कहा कि यह चुनाव बिहार की अस्मिता और भविष्य का है। "अगर एनडीए फिर आया तो बिहार और पीछे चला जाएगा। हमें बिहार को आगे ले जाना है, अपने लोगों के साथ, अपने दम पर।"

किसानों की समृद्धि की नयी राह

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किसानों की समृद्धि की नयी राह बनायी है। 24,000 करोड़ रुपये की लागत से शुरू की गई पीएम धन-धान्य कृषि योजना भारतीय कृषि के परिदृश्य में एक नए अध्याय की शुरुआत मानी जा सकती है। यह केवल एक सरकारी योजना नहीं, बल्कि ग्रामीण भारत के विकास और किसानों की समृद्धि की दिशा में एक दूरदर्शी पहल है। जब जलवायु परिवर्तन, घटती उत्पादकता, और बढ़ती लागतों के बीच किसान जीवनयापन के संकट से जूझ रहे हैं, तब यह योजना उन्हें नई आशा और आत्मविश्वास देने का कार्य करेगी। इस योजना का मूल उद्देश्य देश के हर खेत तक सिंचाई सुविधा पहुंचाना, फसल उत्पादकता में वृद्धि करना, किसानों को सुलभ ऋण और भंडारण की बेहतर व्यवस्था प्रदान करना है। भारत जैसे विशाल कृषि प्रधान देश में आज भी लाखों किसान वर्षा आधारित खेती पर निर्भर हैं। अनियमित मानसून और सीमित सिंचाई संसाधन किसानों के जीवन को अनिश्चित बनाते हैं। ऐसे में, यह योजना जल प्रबंधन और सिंचाई के विस्तार के माध्यम से खेती को स्थायित्व और सुरक्षा प्रदान करेगी। धन-धान्य योजना का एक महत्वपूर्ण पहलू आधुनिक भंडारण सुविधाओं के सृजन से जुड़ा है। भारत में हर वर्ष लाखों टन अनाज भंडारण की कमी के कारण खराब हो जाता है। अब आधुनिक गोदामों, कोल्ड स्टोरेज और ग्रामीण स्तर पर वेयरहाउसिंग की व्यवस्था किसानों को अपनी उपज सुरक्षित रखने में मदद करेगी। इससे उन्हें फसल को सही मूल्य मिलने तक बेचने का इंतज़ार करने का अवसर मिलेगा, और बिचौलियों पर उनकी निर्भरता घटेगी। किसानों को सुलभ और कम ब्याज पर ऋण उपलब्ध कराना भी इस योजना की एक महत्वपूर्ण कड़ी है। छोटे और सीमांत किसान अक्सर बैंकिंग प्रणाली से दूर रह जाते हैं और स्थानीय साहूकारों के शोषण का शिकार बनते हैं। अब उन्हें सस्ते ऋण की सुविधा मिलेगी, जिससे वे आधुनिक बीज, कृषि यंत्र और नई तकनीकों को अपनाने में सक्षम होंगे। योजना का एक अन्य अहम आयाम कृषि में तकनीकी नवाचार को बढ़ावा देना है। ड्रोन आधारित फसल निगरानी, स्मार्ट सिंचाई प्रणाली, मिट्टी परीक्षण, और जैविक खेती को प्रोत्साहन जैसी पहलें भारतीय कृषि को आत्मनिर्भर और वैश्विक प्रतिस्पर्धा के योग्य बनाएंगी। यह कदम देश को डिजिटल एग्रीकल्चर के नए युग में ले जाने की क्षमता रखता है। भारत की अर्थव्यवस्था की रीढ़ आज भी कृषि ही है। यदि यह योजना ईमानदारी, पारदर्शिता और राज्य सरकारों के सहयोग से सही दिशा में लागू होती है, तो यह केवल किसानों की आय बढ़ाने का माध्यम नहीं, बल्कि ग्रामीण पुनर्जागरण का आधार बनेगी। इससे कृषि को उद्योग से जोड़ने, ग्रामीण युवाओं को रोजगार देने और आत्मनिर्भर भारत के सपने को साकार करने की दिशा में ठोस प्रगति होगी। निस्संदेह, पीएम धन-धान्य योजना भारतीय कृषि को नई ऊर्जा और दिशा प्रदान करने वाली ऐतिहासिक पहल है।

सशक्त भारत के वास्तुकार सरदार वल्लभभाई पटेल

सरदार पटेल की 150 वीं जयंती (31 अक्टूबर) पर विशेष

गिरीश्वर मिश्र

सरदार पटेल स्वतंत्र भारत की मूर्त संकल्पना के अप्रतिम वास्तुकार थे। अंग्रेज़ी राज के विरुद्ध राष्ट्रीय स्वतंत्रता संग्राम में देश के एक सच्चे सिपाही के रूप में वे समर्पित भाव से कार्य करते रहे। खेड़ा और बारडोली के सफल जन आंदोलनों का नेतृत्व करने के बाद देशभर में वे 'सरदार' के रूप में प्रसिद्ध हो गए। सभी लोग इनके नेतृत्व और संगठन की सूझबूझ और क्षमता के क़ायल हो गए थे। वे शीघ्र ही भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के एक प्रमुख नेता बने और आजाद भारत के आरंभिक वर्षों में देश के उप प्रधानमंत्री, गृह मंत्री, सूचना मंत्री आदि के रूप में कई महत्वपूर्ण भूमिकाएँ निभाईं थीं। सरदार पटेल राजनीतिक स्वतंत्रता को पर्याप्त नहीं मानते थे। वे स्वतंत्रता के साथ हुए अखंड भारत के विभाजन के घाव से दुखी थे। वे कहते हैं'' एक बड़ी लम्बी लड़ाई के बाद देश को आजादी मिली। पर यह वैसी स्वतंत्रता नहीं है जैसी हम सब चाहते थे। यह वह स्वतंत्रता भी नहीं थी जैसी इसे देने वाले, हम लोगों के बापू, चाहते थे और हमारी अपनी गलती से हमने उनको खो दिया। अब उनके जाने के बाद हमें व्रत लेना चाहिए और कोशिश करनी चाहिए कि वह स्वतंत्रता मिले जो वह हमारे लिए चाहते थे।'' यह वह समय था जब भारत के दो खंड थे: एक अंग्रेज़ी राज वाला और दूसरा राजाओं, रजवाड़ों और रियासतों वाला। अपने अथक प्रयास से सरदार पटेल ने 565 रियासतों का भारतीय संघ में शांतिपूर्ण विलय कराया। भारत के राजनैतिक एकीकरण का यह अनोखा प्रयोग था। 'लौह पुरुष' सरदार पटेल राष्ट्रपिता महात्मा गांधी से आयु में 6 वर्ष छोटे और नेहरू जी से 10 वर्ष बड़े थे। भारत को 15 अगस्त 1947 को अंग्रेजों के चंगुल से आजादी मिली थी। पाँच महीने बाद 30 जनवरी 1948 को गांधीजी का देहांत हुआ था। उसके दो वर्ष बाद सरदार पटेल 15 दिसम्बर 1950 को स्वर्गवासी हुए थे। आधुनिक भारत को गढ़ने में उनकी अविस्मरणीय भूमिका थी। उन्होंने देश की सामाजिक-सांस्कृतिक विविधता को ध्यान में रखते हुए एक समर्थ भारत की नींव रखी। देश भक्ति, संयम और दृढ़ता की मिसाल बने सरदार आधुनिक भारत के निर्माण की धुरी बन गए। गांधीजी ने यदि स्वतंत्रता आंदोलन को दिशा दी तो सरदार पटेल ने स्वतंत्रता के परिणाम को भौतिक जामा पहनाया। राष्ट्र निर्माण पर विचार करते हुए सरदार पटेल प्रत्येक नागरिक के लिए श्रम और समर्पण को आवश्यक मानते थे। समाज की समावेशी दृष्टि रखते हुए वे अल्पमत और बहुमत की जगह सर्वमत पर बल देते थे। वे राष्ट्र के रूप में भारत और उसके नागरिकों के बीच परस्पर पोषक और पोषित होने के भाव की परिकल्पना करते थे। स्वतंत्रता और समानता के मूल्यों के प्रति उनका अविचल समर्पण था। उन्होंने पुरानी इंडियन सिविल सर्विसेज की जगह भारतीय प्रशासनिक सेवा (आइ ए एस) का गठन कर प्रशासन को एक सबल आधार दिया। वे कम खर्च, अधिक बचत और निवेश की नीति को भी प्रोत्साहित कर रहे थे और उदारतापूर्वक औद्योगिकीकरण का भी समर्थन कर रहे थे। देश के वे आर्थिक सुधार जो बाद में 1990 के दशक में किए गए वे सरदार पटेल की नजरों में 1950 में ही आ चुके थे। अन्यान्य कारणों से तब वैसा न हो सका था। सरदार पटेल मानते थे कि राष्ट्र का स्वरूप उसके नागरिकों पर निर्भर करता है। इसी कारण भारत के नागरिकों को उनकी भूमिका के लिए सचेत करते हुए वे नागरिक कर्तव्यबोध को जगाने के लिए वे कहते थे कि हमें एक दुर्लभ अवसर मिला है कि हम अपने देश को अपनी रुचि के ढंग से बना सकें। वे केवल यांत्रिक स्तर पर राष्ट्र-निर्माण का आह्वान नहीं कर रहे थे, बल्कि राष्ट्र को अपनी अस्मिता का अभिन्न अंग मानते हुए उसके समग्र विकास को सामने लाते हैं। इस समग्र विकास में उन्होंने देश की एकता को सर्वोपरि माना। वे मानते थे कि एक मजबूत भारत को बनाने के लिए उसकी एकता और शांति सबसे पहली जरूरत है। यदि देश में एकता न हो, तो निश्चय ही उसका पतन होगा। इसलिए हमें अपने मतभेदों को सुलझाना होगा और इस तरह बर्ताव करना होगा कि देश में पूरा सामंजस्य और अमन-चैन हो तथा शांति बनी रहे। सरदार पटेल की कल्पना के भारत में एकता और शांति बाहर से थोपे और जबरन शक्ति से नियंत्रित होने वाले तत्व नहीं है बल्कि वे भारत

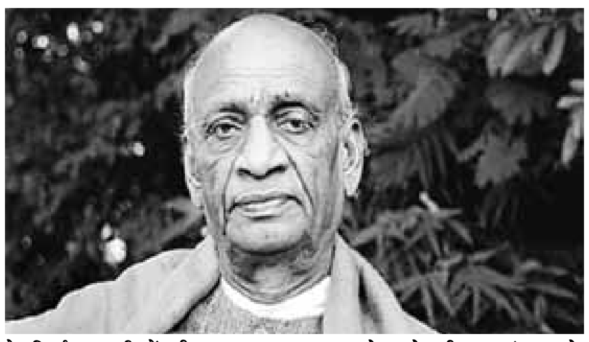

के निर्माता नागरिकों की स्वभावगत विशेषताएं हैं। जब इन विशेषताओं को हर नागरिक मनो-सामाजिक स्तर पर भारत से जोड़ कर देखेगा तो वह इनके आलोक में आत्मानुशासित होगा। इस आत्मानुशासन के कारण उसकी अधीरता नियंत्रित होगी। सरदार चेताते हैं कि एकता के लिए हमको जाति और धर्म के भेद-भाव को भूलना होगा और यह याद रखना होगा कि हम सब भारतीय हैं और सभी बराबर हैं। एक स्वतंत्र देश में एक-दूसरे के बीच कोई भेद नहीं हो सकता। सभी के पास समान अवसर, समान अधिकार और समान उत्तरदायित्व होना चाहिए। इसे अभ्यास या व्यवहार में उतार पाना कठिन है परंतु हमें इस लक्ष्य को पाने की दिशा में सदैव कार्य करते रहना होगा। सरदार पटेल के अनुसार राष्ट्रीय एकता ही भारत को सामर्थ्यवान बना सकेगी। एकता को सदा पोषित करना होगा। इसके लिए वे 'नागरिकों' को लघु अस्मिता के दायरे से उठने का आह्वान भी करते हैं। उन्हें यह मालूम था कि आने वाले दिनों में राष्ट्रहित और लघु समूहों के हितों के बीच टकराव की स्थिति पैदा हो सकती है। इसी कारण वे इनके बीच सामंजस्य के लिए गांधीजी के आदर्श साधनों को लोकजीवन में अपनाने की पैरवी करते हैं। भारत के विभाजन को लेकर सरदार पटेल की राय थी कि तत्कालीन परिस्थितियों में वही एकमात्र समुचित विकल्प बचा था "यह ठीक ही हुआ कि सारी बुराइयों के बावजूद हम विभाजन पर सहमत हो गए। विभाजन को स्वीकार करने को लेकर मैंने कभी पछतावा नहीं किया। एक साल के संयुक्त सरकार चलाने के अनुभव से जब हम विभाजन से सहमत नहीं थे, मुझे यह ज्ञात हुआ कि यदि हम सहमत न होते तो बड़ी भारी गलती हुई होती और पछतावा होता। इसका परिणाम दो टुकड़ों में नहीं वरन देश कई टुकड़ों में हम सबका विभाजन से सहमत होना देश की भलाई में था।'' पटेल की इस स्वीकारोक्ति में एक तरह की भविष्य की इबारत लिखी थी। वे आगे की स्थिति की संकल्पना कर रहे थे। उनकी दृष्टि में आंतरिक शांति और एकता दोनों ही अपरिहार्य थे। वे विभाजनकारी शक्तियों के समूल नाश के लिए स्वयं प्रतिबद्ध थे और सबसे अपेक्षा भी करते थे। यह प्रतिबद्धता ही भारत की उनकी परिकल्पना का अद्वितीय पक्ष है जिसके लिए राष्ट्रबोध सदैव बना रहना चाहिए। सरदार पटेल राष्ट्रबोध को साकार करने का आह्वान करते हैं। वे राज्य की व्यवस्थाओं के भीतर विद्यमान जड़ताओं से मुक्ति को भी आवश्यक मानते हैं। राज्य अपने लक्ष्यों को प्राप्त कर सके, इसके लिए राज्य के तंत्रों को भी अपनी मनःस्थिति और कार्यसंस्कृति को बदलना होगा। सरदार पटेल सूक्ष्म स्तर पर अपने स्वार्थ को साध रहे समूहों को चिन्हित करते हैं और उनको सचेत करते हैं कि जिस प्रतिरोध को वे अपने हित का माध्यम मान रहे हैं, उससे कहीं न कहीं उनका भी नुकसान हो रहा है। वे राजनीति द्वारा आर्थिक हितों को साधने की प्रवृत्ति को भी प्रश्नांकित करते हैं। उनके अनुसार राजनीतिक और आर्थिक हितों के नाम पर लोकतांत्रिक मूल्यों की अनदेखी से व्यवस्था की अवनति होगी। सरदार पटेल ने देश के प्रत्येक समूह को राष्ट्रनिर्माण के लिए आमंत्रित किया। किसान, उद्योगपति, व्यापारी, विद्यार्थी सभी से वे खुला संवाद करते हुए उनके मन में भविष्य के भारत की परिकल्पना करते थे। वे तत्कालीन परिस्थितियों में आमजन की उदासीनता को दूर करने के लिए राज्य के उस स्वरूप को आगे रखते थे जहां राज्य शक्ति से संचालित न होकर नागरिकों के शक्तिपुंज से संचालित हो। भारतीय लोक मानस में आज भी सरदार पटेल की दृढ़ता, देश के प्रति निःस्वार्थ अनुराग और सेवा भावना के प्रति आग्रह की उज्ज्वल छवि एक मिसाल के रूप में अंकित है।

विविधता में एकता ही सर्वश्रेष्ठ भारत की पहचान

राजकुमार सिन्हा

राष्ट्रीय एकता का अर्थ है किसी देश के नागरिकों के बीच एकजुटता और भाईचारे की भावना, जो उन्हें सांस्कृतिक, भाषाई या धार्मिक मतभेदों से ऊपर उठकर एक राष्ट्र के रूप में जोड़ती है। इसमें संविधान के प्रति निष्ठा, राष्ट्रीय प्रतीकों के प्रति सम्मान और देश के लक्ष्यों के प्रति साझा प्रतिबद्धता शामिल है, जो देश को एक इकाई के रूप में बांधता है। राष्ट्रीय एकता दिवस 31 अक्टूबर को सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के अवसर पर मनाया जाता है, जिन्हें "भारत का लौह पुरुष" कहा जाता है। इन्होंने स्वतंत्रता के बाद देश की 562 रियासतों का एकीकरण कर भारत की एकता और अखंडता को मजबूत आधार दिया। उनका मानना था कि "हमारा कर्तव्य है कि हम भारत को एक और अखंड बनाए रखें। " राष्ट्रीय एकता दिवस का उद्देश्य देश के एकता, अखंडता एवं राष्ट्रीय सुरक्षा को बनाए रखने तथा सुदृढ़ करने के प्रति जन जागरूकता बढ़ाना और देश के विभिन्न राज्यों, भाषाओं, धर्मों और संस्कृतियों के बीच एकता की भावना को मजबूत करना है। भारत की राष्ट्रीय एकता आज भी मजबूत है, लेकिन वर्तमान समय में इसके सामने कुछ गंभीर चुनौतियां हैं जो सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक स्तर पर दिखाई देती हैं। धर्म के आधार पर बढ़ती नफरत और हिंसा समाज में विभाजन पैदा कर रही है। कुछ असमाजिक तत्व काफी सक्रिय हैं जो भारत की एकता के लिए आंतरिक खतरा हैं, क्योंकि वे लोगों के मन में भय, असुरक्षा और अविश्वास पैदा करते हैं। उन्हें राजनैतिक संरक्षण भी मिला हुआ है। राजनीतिक दलों द्वारा वोट बैंक की राजनीति और नफरत फैलाने वाली भाषा से समाज में विभाजन की भावना तेजी से बढ़ रही है। जातिगत भेदभाव अब भी समाज में मौजूद है, जो सामाजिक समरसता को प्रभावित करता है। अमीर और गरीब, शहरी और ग्रामीण के बीच बढ़ती खाई लोगों में असंतोष और असुरक्षा की भावना पैदा करती है। इस कारण कुछ क्षेत्रों में अलगाववादी या चरमपंथी गतिविधियां बढ़ रही है जो राष्ट्रीय अखंडता के लिए खतरा है। सोशल मीडिया पर फेक न्यूज़ और नफरत फैलाने वाली झूठी खबरें समाज में गलतफहमी और अविश्वास पैदा कर रही है। लोकतंत्र और राष्ट्रीय एकता एक-दूसरे के पूरक हैं। लोकतंत्र नागरिकों को समान अधिकार देता है,और राष्ट्रीय एकता उन अधिकारों की रक्षा के लिए आवश्यक है। राष्ट्रीय एकता लोकतंत्र की मूल आत्मा है। जब सब मिलकर आगे बढ़ते हैं, तब ही "सबका साथ, सबका विकास" संभव होता है। महात्मा गांधीजी ने कहा था कि "भारत की आत्मा उसकी विविधता में बसती है। " वे धार्मिक सहिष्णुता, अहिंसा और साम्प्रदायिक सौहार्द को राष्ट्रीय एकता की नींव मानते थे। उनका विश्वास था कि सभी धर्मों और जातियों के लोग मिलकर ही स्वतंत्र भारत का निर्माण कर सकते हैं। पंडित जवाहरलाल नेहरू ने "एकता में विविधता" की भावना पर जोर दिया। वे भारत को एक आधुनिक, धर्मनिरपेक्ष और लोकतांत्रिक राष्ट्र के रूप में भारत को देखना चाहते थे, जहां सभी नागरिक समान हों। डॉ. भीमराव अम्बेडकर कहा था कि सामाजिक समानता के बिना राष्ट्रीय एकता संभव नहीं है। इसलिए उन्होंने संविधान में समान अधिकार और सामाजिक न्याय को सुनिश्चित किया। सुभाष चन्द्र बोस ने कहा था कि "राष्ट्रीय एकता के बिना स्वतंत्रता का कोई अर्थ नहीं। " वे जाति, धर्म और क्षेत्र से ऊपर उठकर राष्ट्र के लिए एकता का आह्वान करते थे। स्वाधीनता संग्राम के नेताओं का मानना था कि भारत की असली ताकत उसकी विविधता में निहित एकता है। यही भावना आज भी देश को एक सूत्र में बांधे रखती है। बाबा आमटे की भारत जोड़ो यात्रा भारत के इतिहास में एक अत्यंत प्रेरक और सामाजिक रूप से महत्वपूर्ण आंदोलन था। यह यात्रा उनके राष्ट्रीय एकता, सामाजिक समरसता और पर्यावरण संरक्षण के गहरे संदेश को लेकर निकाली गई थी। 1980 के दशक में देश में बढ़ती धार्मिक और जातिगत हिंसा को देखकर उन्होंने यह यात्रा निकाली, ताकि लोगों में सौहार्द और मानवीय एकता की भावना जागे। बाबा आमटे की भारत जोड़ो यात्रा का उद्देश्य केवल भौगोलिक एकता नहीं, बल्कि मनुष्य से मनुष्य के बीच प्रेम, समानता और सामाजिक एकजुटता स्थापित करना था, ताकि भारत सचमुच "एकता में अनेकता" का जीवंत उदाहरण बना रहे। बाबा आमटे के दूसरे चरण की भारत जोड़ो(1988 में पूरब के अरूणाचल प्रदेश से पश्चिम के ओखा गुजरात तक) यात्रा में मैं भी शामिल था। तब मुझे भारत की विविधता और स्थानीय लोगों के आतिथ्य और प्रेम का एहसास हुआ था। यात्रा का मुख्य नारा था कि जात - धर्म का बंधन तोडो, भारत जोड़ो, भारत जोड़ो। संविधान की प्रस्तावना में भारत को "संपूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष, लोकतांत्रिक गणराज्य" घोषित किया गया है। इसमें न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुता के आदर्श दिए गए हैं जो राष्ट्रीय एकता का आधार हैं। संविधान की अनुच्छेद- 1 में भारत को "राज्यों का संघ कहा गया है। यह देश की राजनीतिक एकता सुनिश्चित करता है। संविधान के मौलिक अधिकार के भाग(3) में अनुच्छेद 14 से 18 तक के अनुसार जाति, धर्म, लिंग या भाषा के आधार पर भेदभाव नहीं किया जा सकता है। अनुच्छेद 19 से 22 तक सभी नागरिकों को समान स्वतंत्रता देता है। अनुच्छेद 25 से 28 तक धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार देता है। अर्थात सभी धर्मों का समान सम्मान है। अनुच्छेद 51ए के अन्तर्गत नागरिकों का कर्तव्य है कि वे देश की एकता और अखंडता की रक्षा करें तथा साम्प्रदायिक सौहार्द बनाए रखें। राजभाषा का प्रावधान संविधान के अनुच्छेद 343–351 में वर्णित है जिसमें हिंदी को राजभाषा और अंग्रेज़ी को सहायक भाषा के रूप में स्वीकार कर भाषाई एकता बनाए रखी गई है। संविधान के अनुच्छेद 352–360 में प्रावधान किया गया है कि राष्ट्रीय संकट के समय केंद्र सरकार को विशेष अधिकार देकर देश की अखंडता और सुरक्षा सुनिश्चित की गई है। अनुच्छेद -355 के अन्तर्गत केंद्र सरकार का दायित्व है कि वह राज्यों की सरकारों को बाहरी आक्रमण या आंतरिक अशांति से बचाए। संविधान न केवल अधिकार देता है बल्कि यह हर नागरिक से यह अपेक्षा भी करता है कि वह भारत की एकता, अखंडता और बंधुता की भावना को सशक्त बनाए रखे। वर्तमान केन्द्र सरकार ने "एक भारत, श्रेष्ठ भारत" अभियान कार्यक्रम के अन्तर्गत भारत की विविधता में एकता को प्रोत्साहित करने के लिए शुरू किया गया है। इसमें विभिन्न राज्यों को "जोड़ी राज्य" के रूप में जोड़ा गया ताकि सांस्कृतिक, भाषाई और आर्थिक आदान-प्रदान बढ़े। आज भारत की राष्ट्रीय एकता को देश के अंदर से भी कुछ गंभीर खतरे हैं। ये खतरे बाहरी आक्रमण से अधिक आंतरिक सामाजिक, राजनीतिक और मानसिक विभाजनों के कारण उत्पन्न हो रहे हैं। भारत की एकता को बनाए रखने के लिए आवश्यक है कि हम सहिष्णुता, समानता, सामाजिक न्याय और आपसी सम्मान की भावना को मजबूत करें, ताकि हमारा देश "विविधता में एकता" का वास्तविक उदाहरण बना रहे। इसलिए इस राष्ट्रीय एकता को मजबूत करने के हाशिए पर पड़े समुदायों को मुख्यधारा में लाना और उनके अधिकारों को सुनिश्चित करना आवश्यक है। आर्थिक विषमताओं को कम करना सामाजिक तनाव को घटाता है और एकता को मजबूत करता है।

मेष राशिः मेष राशि वालों आज पूरे दिन भाग्य आपके साथ रहेगा। आज आप किसी नए कार्य की शुरुआत करेंगे, जिसमें आपको जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा। आज आपका सामाजिक गतिविधियों में भी रुझान बढ़ेगा। आज आप फाइनेंस से रिलेटेड सारे काम समय पर निपटा लेंगे। इस राशि की महिलाएं घर से ही किसी बिजनेस की शुरुआत कर सकती हैं, जिसमें परिवार का पूरा सपोर्ट रहेगा।

वृष राशिः वृष राशि वालों आज का दिन आपके लिए फेवरेबल रहने वाला है। आज आप अपने सपनों को पूरा करने के लिए अपने कंफर्ट जोन से बाहर निकलेंगे और अपनी जीवन शैली में बदलाव करेंगे। आज आप किसी चीज को बिना जाने–समझे उसके बारे में फैसला करने से बचें।

मिथुन राशिः मिथुन राशि वालों आज का दिन आपके लिए मिली-जुली प्रतिक्रिया देने वाला रहेगा। आज आप सामाजिक कार्यों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेंगे। इस राशि के बच्चे आज मन लगाकर पढ़ाई करेंगे, जिससे टेस्ट में अच्छे अंक प्राप्त होंगे। आज आप परिवार के साथ बैठकर इंजॉय करेंगे, जिससे आपको खुशी मिलेगी।

कर्क राशिः कर्क राशि वालों आज का दिन आपके लिए लाभप्रद रहने वाला है। आज आपको कोर्ट-कचहरी के मामलों में सफलता मिल सकती है, जिससे आपका मन शांत रहेगा। आज आप जीवनसाथी के साथ कहीं घूमने जा सकते हैं, जहाँ आपको आनंद की एक अलग ही अनुभूति होगी। आज आप जितना हो सके दूसरों की राय लेकर ही किसी काम की शुरुआत करें, सफलता मिलनी तय है।

सिंह राशिः सिंह राशि वालों आज का दिन आपके लिए अच्छा रहेगा। आज आपको किसी करीबी से शुभ समाचार प्राप्त होगा, जिससे आपका दिन बन जाएगा। आज आप अपने बच्चों का आत्मबल बनाए रखने में सहयोग अवश्य करेंगे। आज कर्मचारियों की मदद से बिजनेस की गतिविधियां ठीक तरह से चलती रहेंगी, जिससे आपको खुशी मिलेगी।

कन्या राशिः कन्या राशि वालों आज का दिन आपके लिए खुशनुमा बना रहेगा। आज व्यापार में किसी ऐसी कंपनी के साथ डील फाइनल होगी, जो आपको उम्मीद से अधिक फायदा कराएगी। आज घर में परिवार जनों के साथ मिल-जुलकर कुछ नवीनीकरण व साज-सज्जा को लेकर विचार-विमर्श रहेगा। आज ऑफिस में चल रहा प्रोजेक्ट पूरा होने से राहत मिलेगी, जिससे अन्य कामों पर भी ध्यान दे पाएंगे।

तुला राशिः तुला राशि वालों आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। आज आपको सरकारी कामों में समझदार व्यक्ति से राय मिलेगी, जिससे आपका काम आसान हो जाएगा। आज आपका व्यक्तित्व व रहन-सहन के प्रति अधिक सजग रहना लोगों के बीच आकर्षण का कारण बनेगा। आज समाज में आपकी छवि और अधिक निखरेगी।

वृश्चिक राशिः वृश्चिक राशि वालों आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आज आपको बिजनेस में बहुत ही सोच-समझकर निर्णय लेने की आवश्यकता है, जिससे आप अधिक से अधिक लाभ कमा सकें। आज आप जीवनसाथी से मन की बात शेयर कर सकते हैं, जिससे आपको बहुत हल्का महसूस होगा।

धनु राशिः धनु राशि वालों आज का दिन आपके लिए उत्साह से परिपूर्ण रहेगा। आज आपके रोजगार की तलाश खत्म होगी, आप पार्टनरशिप में किसी काम की शुरुआत कर सकते हैं। आज आपका समय दोस्तों और रिश्तेदारों के साथ बीतेगा, जिससे आपके रिश्तों में मधुरता बनी रहेगी। आज आपको समारोह में जाने का अवसर प्राप्त हो सकता है।

मकर राशिः मकर राशि वालों आज का दिन आपके लिए खुशियां लेकर आएगा। आज आप वो पाने में सफल रहेंगे, जिसके लिए आपने कड़ी मेहनत की थी। आज आप व्यावसायिक योजना बनाने में सफल रहेंगे, आगे चलकर जिसमें आपको अच्छा लाभ होगा। इस दौरान आपको अपने खर्चे पर नजर रखने की जरूरत है। आज आप काम के साथ–साथ अपने स्वास्थ्य का भी ख्याल रखें, जिससे आप बेहतर तरीके से काम कर पाएं।

कुंभ राशि : कुंभ राशि वालों आज का दिन आपके लिए आशाजनक बना रहेगा। आज आप आर्थिक रूप से समृद्ध रहेंगे और आपका दांपत्य जीवन खुशहाल रहेगा। आज आप बातचीत के दौरान कुछ भी कहने से पहले शब्दों पर ध्यान दें, जिससे आपके आपसी रिश्ते अच्छे बने रहेंगे।

मीन राशिः मीन राशि वालों आज का दिन आपके लिए ठीक–ठाक बना रहेगा। आज आप कार्यक्षेत्र में नई योजनाएं बनाएंगे, जिसमें आपको कर्मचारियों का भरपूर सहयोग मिलेगा। आज आप ऑफिस के प्रोजेक्ट को बहुत अच्छे से पूरा करेंगे, जिससे बॉस खुश होकर आपका प्रमोशन कर सकते हैं।

बिहार में दावे,वादे और लोकलुभावन घोषणाओ से सियासी हलचल बढ़ी

कांतिलाल मांडोत

बिहार विधानसभा चुनाव में पहले टर्म के चुनाव के बीच गिनती के दिन शेष रह गए है।राजद नेता तेजस्वी यादव ने घोषणा की है कि अगर इंडिया गठबंधन सत्ता में आता है तो राज्य के पंचायती राज प्रणाली के भत्ते दुगुने किये जायेंगे।तेजस्वी ने पंचायत प्रतिनिधियों के लिये 50 लाख रु.का बीमा कवर और पेंशन देने की घोषणा की गई है।नाई, कुमार और लोहार को पांच लाख की सहायता मिलेगी।इतना ही नही,वक्फ संशोधन बिल कूड़ेदान में फेंक दिया जायगा।बिहार में लालू और तेजस्वी की राजनीति समझ मे नही आए, यह तो सम्भव ही नही है।जनता लालू और तेजस्वी के रग -रग से वाफिक है।भ्रष्टाचार की राजनीति करने वाली राजद मतदाताओ को जूठे सपने दिखा कर वोट प्राप्त करने का सियासी खेल में वोटर फंसने वाले नही है।बिहार के मुख्यमंत्री एक निःस्वार्थ सत्याग्रही है।लालु की राजनैतिक महत्वकांशा बिहार को समझ मे आ गई है।बिहार में जंगलराज और भ्रष्ट राजनीति के लिए राजद सुप्रीमो लालू की सत्ता से लोगो की पीड़ा पहुँची है।तेजस्वी की घोषणाएं कागज का पुलिंदा है।सता हथियाने के बाद बिहार की राजनीति पूर्ववर्ती अपने पिता की सरकार जैसी बन जाएगी।न्याय के लिए दर -दर भटकते लोगो की जिंदगियां दुश्वार हो गई थी।लालू और तेजस्वी के उपर 27 मामले दर्ज है।उनकी खोखली राजनीति से कोई अनभिज्ञ नही है।लालच और लुभावने वादों से अब लोग भ्रमित होने वाले नही है।अब मतदाताओ को समझ मे आ गया है कि लुभावने वादे और कुछ स्वार्थ के लिए देश के साथ समझौता नही किया जा सकता है।क्योकि देश सर्वोपरि है।कांग्रेस और राजद का गठबंधन बना और उसके बाद सीटो का पेच इस तरह फंसा की, आज दिन तक गीले शिकवे मौजूद है।जनता इनसे उम्मीद लगा ही नही सकती है।चुनाव का बिगुल बजते ही इनकी हशरत जमीदोंज हो गई।सता की राजनीति में आकंठ डूबे राजनेताओ से ज्यादा उम्मीद नही की जा सकती है।राजनीति में साफ सुथरी छवि वाले युवाओ को प्राथमिकता मिलनी चाहिए।विधानसभा चुनाव में रहकर सक्रिय राजनीति में लोक जागरण का काम कर सकते है।अब राजनीति अंधेरे में तीर चलाने वाली नही चाहिए।बदलते चलन में राजनीति में भी सुधार की अपेक्षा है।देश मे व्याप्त भ्रष्टाचार के लिए आवाज उठाने वाले और बिहार की राजनीति में साफ छवि वाले नेताओं को अहमियत देने के लिए वर्तमान में नीतिश कुमार की सत्ता में शुद्ध राजनीति की बोलबाला है,इसी तरह लोगो के जीवन मे अमूलचूल परिवर्तन को साधा जा सकता है।बिहार में सिर्फ जाति, धर्म,लुभावने वादे और बाहुबल के आधार पर चुनाव लड़ने की जुगत में है।इसलिए स्वच्छ राजनीति के विकल्प के रूप में वोट करने की ठानी है।जो वर्तमान में नीतीश और मोदी की साफ सुथरी छवि के लोग कायल है।बिहार में महिलाओ,युवाओ के लिए रोजगारपरक दृष्टिकोण से बिहार में उत्साह सातवे आसमान पर है।जो लोग लेने की अवस्था मे होते है,वे क्या किसी को कुछ दे सकते है।दावे,वादे और लोक लोभावन घोषणाओं को दूसरे विकल्प की तरह जनता जनार्धन जी रही है।क्योकि जिन दलों पर भ्रष्टाचार के आरोप है वे दल गठबंधन से चुनाव लड़ रहे है।यह वास्तविकता है कि लम्बे समय तक किसी को बेवकूफ नही बनाया जा सकता है।बिहार में राजद की ऐन चुनाव में इतनी बड़ी घोषणा और वक्फ संशोधन कानून को कूड़ेदान में फेंकने की घोषणा मात्र तुष्टिकरण की राजनीति ही है।दोनो हाथों में लड्डू रखने वाली कांग्रेस और राजद की नीतिया मतदाताओ के लिए चुनौती है।भ्रष्टाचार उन्मूलन की बात करने वाली राजनैतिक पार्टियां ही देशहित मे कार्य कर सकती है।ये दल ही टिकाऊ होते है।राजद इस राज्य में इस कदर बैचेन है कि उसने घोषणाओं की फहरिस्त लगा दी है।गृहमंत्री मंत्री अमित शाह और बिहार के दिग्गज नेताओं ने एनडीए की सरकार फिर से बनने की हुंकार भरी है।अभी केंद्रीय मंत्री राज्य का दौरा करने के लिए आमंत्रित है।राजद और कांग्रेस दोनो दल बेमेल गठजोड़ है।क्योंकि राजद भ्रष्टाचार में डूबी हुई पार्टी है और कांग्रेस भी आजादी के बाद भ्रष्टाचार की वैतरणी पार करती आ रही है।कांग्रेस हिन्दू और हिंदुत्ववादी की बात कर मुस्लिम वोटो की लालच में हिन्दुओ पर निशाना साधती नजर आती है,वही दलित,पिछड़े और मुस्लिम वोटों की सेंघमारी में राज्य के मुद्दे हवा में झूलते हुए नजर आ रहे है।राज्य के विकास की बात राजद और कांग्रेस के दिग्गज नेताओं के मुह से सुनाई नही देती है।दोनो दलों के भीतर से जो जनता तक जो सन्देश जा रहा है,वह अपसीं कलह का है। एनडीए ने बेहतर माहौल दिया है।लालू के शासनकाल मे बिहार में सांप्रदायिक दंगे व अशांति का आलम था।लेकिन बीस वर्ष के शासनकाल मे साम्प्रदायिक सौहार्द का बेहतर माहौल है। बिहार में संवेदनहीनता की हदे उस समय सुनी जाती थी,तब जंगलराज का तमगा लालू के कार्यकाल में मिला था।आज वर्तमान में पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव किस मुह से वोटरों के बीच वोट की मांग कर रहे है?ऐसे नफ्फ्ट लोगो के चेहरे पर कोई गम नही है ।महिलाओ के साथ बर्बरतापूर्ण कार्यवाई को बिहार भूल पाया है?बिहार में एनडीए गठबंधन को नुकसान नही होगा क्योंकि बिहार में महागठबंधन भले ही सफलता को छू रहा है लेकिन यहां विरोधी ताकते बिखरी हुई है।ओवैसी सभी सीटों पर अपने उम्मीदवार खड़े किए है।ये वो दल है जिसके लिए कांग्रेस और राजद के झोली में जाने वाले वोटो का हिस्सा ओवैसी को जरूर मिलेगा।क्योकि ओवैसी की मंशा है कि हिंदुस्तान के मुसलमानों का नेता बनना है तो हिंदी भाषी राज्य में अपना परचम अवश्य लहरा कर राजनीति के गलियारों तक पहुँचा जाए।दूसरे दल वोट काटने के लिए निर्णयक भूमिका निभाएंगे।बिहार में इस बार टक्कर के बीच अंतिम विकल्प के तौर पर यही सब कुछ प्राप्त होना है कि बिहार विधानसभा चुनाव ने किसने क्या खोया और किसने क्या पाया है?क्योंकि जो पहली बार अपनी पार्टी के लिये उम्मीदवार उतार रहा है,उसके लिए तो जो मिला वो ही मुनाफा ही है।फायदेमंद ही है।लालू के कार्यकाल की कानून व्यवस्था, भ्रष्टाचार और तुष्टिकरण की राजनीति बिहार में राजद को पिछहट करने के लिए मजबूर जरूर करेगी।सियासी रूप से सबसे ज्यादा संदेश तेजस्वी की ओर से रहा है कि जिस दल की सिर्फ परछाई माना जाता रहा है,कांग्रेस ने यह संकेत दे दिया है कि हम भी कुछ कम नही है बिहार की राजनीति भले ही बदलती नजर आ रही है।वोटो की हिस्सेदारी बढ़ रही है लेकिन फिर भी एनडीए आशावादी है।और सरकार बनाने का अभी भी दम भर रही है।वो भी स्पष्ट बहुमत से।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

सिद्धू ने ऋषभ की जमकर प्रशंसा करते हुए उसे फीनिक्स पक्षी के समान बताया

एजेंसी, नई दिल्ली

पूर्व क्रिकेटर नवजोत सिंह सिद्धू ने भारतीय क्रिकेट टीम के आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा कि उसकी इच्छा शक्ति और जुनून गजब का है। ऋषभ अभी दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ बेंगलुरु में जारी चार दिवसीय मुकाबले में भारत ए की कप्तानी कर रहे हैं। सिद्धू ने कहा कि किसी ने कल्पना तक नहीं की थी कि इतने भीषण कार हादसे के बाद ऋषभ दोबारा चल पायेंगे पर वह आज खेल रहे हैं। उन्होंने इस विकेटकीपर बल्लेबाज की तुलना पक्षी फीनिक्स से की है! ऋषभ इंग्लैंड दौरे में लगी चोट से उबरकर अभी भारत ए की कप्तानी कर रहे है। इंग्लैंड दौरे में ही मैनचेस्टर टेस्ट के दौरान तेज गेंदबाज क्रिस वोक्स की एक यॉर्कर पर लगने से उनके पैर की उंगली में फ्रैक्चर

हो गया था। इसी कारण वह एशिया कप, के अलावा वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू सीरीज और ऑस्ट्रेलिया दौरे पर भी नहीं गये थे। सिद्धू ने कहा, ऋषभ फीनिक्स पक्षी के समान हैं जो राख से उठ खड़ा होता है। उनकी निडरता को देखिए, उनकी असाधारण उपलब्धियों को देखिए जिसे उन्होंने हासिल किया है। जिस तरह से उन्होंने ऑस्ट्रेलिया में बल्लेबाजी की थी, जिस तरह उन्होंने इंग्लैंड में हमें मैच जितवाए, वो शानदार है। मैं अब तक जितने भी क्रिकेटर देखें हैं उनमें से वह सबसे अच्छे क्रिकेटरों में एक है। जब मैं उन्हें देखता हूं तो आनंद आता है। इस क्रिकेटरों ने सभी को सिखाया है कि जिंदगी में मुश्किलों से कैसे निकल सकते हैं। दक्षिण अफ्रीका ए के साथ मैच में भारत ए की कप्तानी करते हुए ऋषभ ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया है।

दक्षिण अफ्रीका पहली बार महिला वनडे विश्व कप फाइनल में, इंग्लैंड को 125 रन से हराकर रचा इतिहास

एजेंसी, गुवाहाटी

एसीए स्टेडियम, गुवाहाटी में बुधवार को खेले गए महिला वनडे विश्व कप 2025 के पहले सेमीफाइनल में दक्षिण अफ्रीका ने इंग्लैंड को 125 रन से हराकर इतिहास रच दिया। इस तरह पहली बार दक्षिण अफ्रीका की महिला टीम वनडे विश्व कप के फाइनल में पहुंची है।

कप्तान लौरा वोल्वार्ड्ट की ऐतिहासिक शतकीय पारी- मैच में टॉस इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी चुनी, लेकिन दक्षिण अफ्रीका की कप्तान लौरा वोल्वार्ड्ट ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए अपनी टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया। उन्होंने 169 रन की पारी खेली, जो उनका वनडे करियर का 10वां शतक और विश्व कप का पहला शतक है। वोल्वार्ड्ट ने ताजमिन ब्रित्स (45) के साथ पहले विकेट के लिए 116 रन की साझेदारी की। हालांकि इंग्लैंड की सोफी एक्लेस्टोन ने 4 विकेट (10 ओवर में 44 रन) लेकर कुछ हद तक वापसी कराई, लेकिन दक्षिण अफ्रीका ने 50 ओवर में 7 विकेट पर 319 रन का बड़ा स्कोर खड़ा किया।

मारिजैन कैप की घातक गेंदबाजी, इंग्लैंड की पारी ध्वस्त- 320 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी इंग्लैंड की शुरुआत बेहद खराब रही। टीम ने सिर्फ 01 रन पर 3 विकेट गंवा दिए। मारिजैन कैप ने अपने पहले ओवर में ही एमी जोन्स और हीथर नाइट को पवेलियन भेज दिया। दूसरे ओवर में अयाबांगा खाका ने टैमी ब्यूमोंट को आउट कर इंग्लैंड की हालत और खराब कर दी।

कप्तान नताली सिवर-ब्रंट (64) और ऐलिस कैप्सी (50) ने चौथे विकेट के लिए 107 रन की साझेदारी कर इंग्लैंड को कुछ राहत दी, लेकिन इसके बाद टीम संभल नहीं सकी। कैप ने शानदार गेंदबाजी करते हुए अपने 7 ओवर के स्पेल में सिर्फ 20 रन देकर 5 विकेट झटके। इंग्लैंड की पूरी टीम 42.3 ओवर में 194 रन पर ऑलआउट हो गई।

हिसाब चुकता, इतिहास रचा- दक्षिण अफ्रीका ने इस जीत के साथ इंग्लैंड से पुराने सभी हिसाब बराबर कर लिए। पिछले दो विश्व कप (2017 और 2022) के सेमीफाइनल में इंग्लैंड ने दक्षिण अफ्रीका को बाहर किया था। यहां तक कि मौजूदा टूर्नामेंट के लीग मैच में भी दक्षिण अफ्रीका 69 रन पर सिमट गया था।

कप्तान लौरा वोल्वार्ड्ट को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। वहीं, मारिजैन कैप की गेंदबाजी ने इस मैच को ऐतिहासिक बना दिया।

कनाडियन स्क्वैश ओपन के सेमीफाइनल में हारीं अनाहत सिंह, जीना कैनेडी ने दी मात

एजेंसी, टोरंटो

भारतीय स्क्वैश स्टार अनाहत सिंह का शानदार सफर कनाडियन ओपन 2025 में सेमीफाइनल में आकर थम गया। 17 वर्षीय अनाहत को इंग्लैंड की नंबर 1 खिलाड़ी जीना कैनेडी ने सीधे सेटों में 11-5, 11-8, 12-10 से हराकर फाइनल में जगह बनाई। यह मुकाबला मात्र 30 मिनट तक चला। टूर्नामेंट में अनाहत ने इससे पहले दो बड़े उलटफेर किए थे — उन्होंने विश्व नंबर 20 मेलिसा एल्व्स और पिछली चैंपियन टिन्री गिलिस को हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया था। जीना कैनेडी ने मैच के बाद अनाहत की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा, "अनाहत ने इस हफ्ते शानदार प्रदर्शन किया। मैंने अपने कोच से कहा कि वह एक स्वाभाविक स्क्वैश खिलाड़ी हैं। उनके शॉट्स की दिशा बदलने की शैली बहुत अनोखी है, जिसे सिखाया नहीं जा सकता। शायद वह पूरे हफ्ते के खेल से थोड़ी थकी हुई थीं, जो स्वाभाविक है।" फाइनल में जीना कैनेडी का मुकाबला मिस्र की अमीना ऑरफी से होगा, जिन्होंने दूसरे सेमीफाइनल में अमांडा सोभी (अमेरिका) को पराजित किया। कैनेडी ने कहा, "मेरा और अमीना का सामना हुए एक साल से ज्यादा हो गया है। वह हाल में बेहतरीन फॉर्म में हैं और मैं उनके खिलाफ खेलने के लिए उत्साहित हूं।"

विराट 2027 विश्वकप के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह देंगे : डिविलियर्स

» आईपीएल आगे भी खेलते रहेंगे

एजेंसी, जोहांसबर्ग

दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान एबी डिविलियर्स ने कहा है कि भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली 2027 एकदिवसीय विश्वकप के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह देंगे हालांकि वह आईपीएल खेलते रहेंगे। कोहली ने हाल ही में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज के पहले दो मैचों में विफल होने के बाद अंतिम मैच में अर्धशतक लगाकर लय हासिल की थी। आईपीएल टीम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) में विराट के साथी रहे डिविलियर्स ने कहा, मेरे हिसाब से 2027 विश्व कप विराट का अंतिम अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट होगा पर जहां तक आईपीएल की बात है वह अगले तीन, चार या पांच साल तक इसे खेल सकते हैं। इसका कारण है कि इमसें तैयारी के लिए केवल दो-तीन महीने चाहिए होते हैं, जबकि विश्व कप के लिए चार साल तैयारी करनी होती है जिससे शारीरिक और मानसिक संतुलन दोनों पर प्रभाव डालता है। उन्होंने यह भी कहा, कोहली ने अपनी आक्रामक अंदाज से खेल को हमेशा के लिए बदल दिया है। अब समय है कि उनका उत्साह बढ़ाना चाहिये। चाहे वह पांच साल और खेलें या कल ही संन्यास लें। उन्हें पूरा समर्थन मिलना चाहिए।

यूएफा की सुपर लीग अपील खारिज, रियल मैड्रिड मांगेगा हर्जाना

एजेंसी, मैड्रिड

यूरोपियन फुटबॉल में एक बड़ी कानूनी लड़ाई के बीच स्पेन की राजधानी मैड्रिड की अदालत ने बुधवार को द यूनियन ऑफ यूरोपियन फुटबॉल एसोसिएशन (यूएफा) की सुपर लीग से जुड़ी अपील को खारिज कर दिया। इसके बाद रियल मैड्रिड क्लब ने यूएफा से "बड़े पैमाने पर" मुआवजे की मांग करने की घोषणा की है। दरअसल, साल 2021 में यूरोप के 12 शीर्ष क्लबों — जिनमें रियल मैड्रिड और बार्सिलोना शामिल थे — ने मिलकर सुपर लीग बनाने की योजना पेश की थी। हालांकि इंग्लिश क्लबों के प्रशंसकों के तीव्र विरोध और यूएफा व फीफा की धमकियों के कारण यह परियोजना कुछ ही दिनों में ध्वस्त हो गई। दिसंबर 2023 में यूरोपीय न्यायालय ने अपने फैसले में कहा था कि सुपर लीग पर लगाया गया प्रतिबंध यूरोपीय कानून के खिलाफ है। इसके बाद एक स्पेनिश जज ने भी कहा था कि यूएफा और फीफा ने सुपर लीग का विरोध करके "मुक्त प्रतिस्पर्धा को बाधित किया" और अपने प्रभुत्व का दुरुपयोग किया। अब मैड्रिड की अदालत ने यूएफा के साथ-साथ ला लीगा और स्पेनिश फुटबॉल फेडरेशन द्वारा दायर की गई अपीलों को भी खारिज कर दिया है। हालांकि अदालत के फैसले का दायरा सीमित माना जा रहा है क्योंकि संबंधित नियम इस बीच पूरी तरह से बदल दिए गए हैं। रियल मैड्रिड ने इस फैसले पर खुशी जताते हुए एक आधिकारिक बयान में कहा, "यह फैसला पुष्टि करता है कि सुपर लीग मामले में यूएफा ने यूरोपीय संघ के मुक्त प्रतिस्पर्धा के नियमों का गंभीर उल्लंघन किया है।" क्लब ने आगे कहा कि वह "विश्व फुटबॉल और प्रशंसकों के हित में काम करना जारी रखेगा, साथ ही यूईएफए से पर्याप्त हर्जाना भी मांगेगा।"

व्यापार

शुरुआती कारोबार में शेयर बाजार पर दबाव, सेंसेक्स और निफ्टी में गिरावट

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान दबाव बना हुआ नजर आ रहा है। आज के कारोबार की शुरुआत भी गिरावट के साथ हुई थी। बाजार खुलने के बाद खरीदारी के सपोर्ट से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की चाल में कुछ देर के लिए तेजी भी आई। हालांकि थोड़ी देर बाद ही बिकवाली का दबाव बन गया, जिसकी वजह से दोनों सूचकांक गिरते चले गए। सुबह 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 0.57 प्रतिशत और निफ्टी 0.58 प्रतिशत की कमजोरी के साथ कारोबार कर रहे थे। सुबह 10 बजे तक कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से लार्सन एंड टूब्रो, श्रीराम फाइनेंस, टाटा मोटर्स पेसेंजर व्हीकल्स लिमिटेड (टीएमपीवी), जियो फाइनेंशियल और इंटरग्लोब एविएशन के शेयर 2.13 प्रतिशत से लेकर 0.58 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर डॉ रेड्डीज लेबोरेट्रीज, भारती एयरटेल, मैक्स हेल्थकेयर, सिप्ला और ट्रेंट लिमिटेड के शेयर 4.78 प्रतिशत से लेकर 0.90 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार करते नजर आ रहे थे। अभीतक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,201 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 993 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 1,208 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 2 शेयर लिवाली के सपोर्ट से हरे निशान में बने हुए थे। दूसरी ओर

28 शेयर बिकवाली के दबाव में लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 12 शेयर हरे निशान में और 38 शेयर लाल निशान में कारोबार करते नजर आ रहे थे। बीएसई का सेंसेक्स आज 246.23 अंक की गिरावट के साथ 84,750.90 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक कुछ ही देर में उछल कर 84,906.95 अंक तक आ गया। इसके बाद बाजार में बिकवाली का दबाव बन गया, जिसकी वजह से इस सूचकांक की गिरावट बढ़ती चली गई। बाजार में लगातार जारी खरीद-बिक्री के बीच सुबह 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 486.06 अंक की कमजोरी के साथ 84,511.07 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था। सेंसेक्स की तरह एनएसई के निफ्टी ने आज 69.50 अंक टूट कर 25,984.40 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलते ही खरीदारी के सपोर्ट से पहले 5 मिनट में ही ये सूचकांक उछल कर 26,032.05 अंक तक पहुंच गया। इसके बाद बिकवाली शुरू हो गई, जिसकी वजह से इस सूचकांक की चाल में भी गिरावट आ गई। बाजार में लगातार जारी लिवाली और बिकवाली के बीच सुबह 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद निफ्टी 150.10 अंक फिसल कर 25,903.80 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था। इसके पहले पिछले कारोबारी दिन बुधवार को सेंसेक्स 368.97 अंक यानी 0.44 प्रतिशत की मजबूती के साथ 84,997.13 अंक के स्तर पर बंद हुआ था।

वीवो का नया एक्स300 सीरिज स्मार्टफोन 30 को होगा लांच

नई दिल्ली। चाइनीज कंपनी वीवो अपने नए एक्स300 सीरिज स्मार्टफोन को 30 अक्टूबर को ग्लोबली लॉन्च करने जा रहा है। इसमें दो मॉडल शामिल हैं वीवो एक्स300 और वीवो एक्स300 प्रो। यह दोनों ही स्मार्टफोन मीडियाटेक डाइमेंसिटी 9500 प्रोसेसर से लैस हैं और चार-चार कलर विकल्पों में उपलब्ध होंगे। जानकारी के अनुसार, स्टैंडर्ड एक्स300 हेलो पिंक, आइरिस पर्पल, मिस्ट ब्लू और फैंटम ब्लैक रंग में आएगा, जबकि एक्स300 प्रो मिस्ट ब्लू, फैंटम ब्लैक, क्लाउड व्हाइट और ड्यून ब्राउन में उपलब्ध होगा। ग्लोबल वेरिएंट में दोनों फोन 16जीबी तक रैम और 512जीबी स्टोरेज के विकल्प

के साथ आएंगे। अलग-अलग देशों में कलर ऑप्शन्स अलग होंगे, जैसे ऑस्ट्रेलिया में एक्स300 प्रो केवल फैंटम ब्लैक और ड्यून ब्राउन में मिलेगा, जबकि एक्स300 केवल रेड कलर में उपलब्ध होगा। बैटरी और चार्जिंग के मामले में भी दोनों डिवाइस शक्तिशाली हैं। एक्स300 प्रो में 6,510एमएएच और एक्स300 में 6,040 एमएएच की बैटरी है, जो 90वॉट वायर्ड और 40वॉट वायरलेस चार्जिंग सपोर्ट करती है। प्रो वर्जन में 6.78 इंच का 1.5के बीओई क्यू10 प्लस एलटीपीओ ओलेड डिस्प्ले है, 120एचझेड रिफ्रेश रेट और सर्कुलर पोलराइजेशन 2.0 फीचर के साथ। दोनों फोन मीडियाटेक डाइमेंसिटी 9500 चिपसेट, एलपीडीडीआर5एक्स रैम, यूएफएस 4.1 स्टोरेज और एंड्रॉयड 16 आधारित ओरिजनओएस 6 पर चलते हैं। कैमरा की बात करें तो एक्स 300 प्रो में झेसिस ट्यून्ड ट्रिपल रियर कैमरा है, जिसमें ओआईएस के साथ 50एमपी का सोनी एलवायटी-828 मेन सेंसर, 50एमपी का सैमसंग जेएन1 अल्ट्रावाइड लेंस और 200एमपी पेरिस्कोप टेलीफोटो लेंस शामिल है।

सर्राफा बाजार में जारी गिरावट पर लगा ब्रेक, सोना और चांदी की कीमत में आई तेजी

नई दिल्ली। अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में कटौती करने के कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने और चांदी की कीमत में आई तेजी का असर आज घरेलू सर्राफा बाजार में भी नजर आ रहा है। घरेलू सर्राफा बाजार में सोने और चांदी के भाव में आज तेजी का रुख बना हुआ है। आज के कारोबार में सोना 1,470 रुपये से लेकर 1,600 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। इसी तरह चांदी की कीमत में भी 1,200 रुपये प्रति किलोग्राम का इजाफा हो गया है। सोना और चांदी की कीमत में आई इस तेजी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 1,22,410 रुपये से लेकर 1,22,560 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,12,210 रुपये से लेकर 1,12,360 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी की कीमत में भी उछाल आने के कारण

ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 1,52,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,22,560 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,12,360 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,22,410 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,12,210 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,22,460 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,12,260 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,22,410 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,12,210 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 1,22,410 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,12,210 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,22,560 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,12,360 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,22,460 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,12,260 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,22,560 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,12,360 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोना महंगा हुआ है।

दिल्ली एयरपोर्ट की क्षमता में होगी 20 फीसदी बढ़ोतरी

नई दिल्ली। दिल्ली का इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट (आईजीआई) जल्द ही बिना टर्मिनल 2 को तोड़े अपनी यात्री क्षमता में करीब 20 फीसदी की बढ़ोतरी करने जा रहा है। विभाग से संबंधित एक अधिकारी के अनुसार 2029-30 तक एयरपोर्ट की क्षमता 10.5 करोड़ से बढ़कर 12.5 करोड़ यात्रियों तक पहुंच जाएगी। इसके लिए तीन प्रमुख योजनाएं तैयार हैं, टर्मिनल 3 पर नया पियर 'ई' बनाया जाएगा, जो सालाना 1 से 1.2 करोड़ अतिरिक्त यात्रियों को संभालेगा; टर्मिनल 1 पर भीड़ कम करने के उपाय होंगे; और अतिरिक्त एयरक्राफ्ट पार्किंग स्टैंड्स जोड़े जाएंगे। फिलहाल टी3 में चार पियर्स हैं, जिनमें से एक घरेलू पियर को इंटरनेशनल में बदला जा रहा है। 1986 में बना टर्मिनल 2 फिलहाल रिटायर नहीं होगा और मरम्मत के बाद दोबारा संचालन में है। नया टर्मिनल तभी बनेगा जब यात्री ट्रैफिक मौजूदा क्षमता के 80 फीसदी से अधिक पहुंच जाएगा।

ग्रो का आईपीओ 4 नवंबर को लॉन्च होगा, 12 नवंबर को बीएसई और एनएसई पर होगी लिस्टिंग

नई दिल्ली। स्टॉक ब्रोकिंग प्लेटफॉर्म ग्रो की पैरेंट कंपनी बिलियन ब्रेन्स गैराज वेंचर्स लिमिटेड का 6,632.30 करोड़ रुपये का आईपीओ 4 नवंबर को सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च होगा। इस आईपीओ में 7 नवंबर तक बोली लगाई जा सकेगी। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 10 नवंबर को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि 11 नवंबर को अलॉटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर 12 नवंबर को बीएसई और एनएसई पर लिस्ट होंगे। इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 95 रुपये से लेकर 100 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 150 शेयर का है। कंपनी के इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स कम से कम 1 लॉट यानी 150 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं, जिसके लिए उन्हें 15,000 रुपये का निवेश करना होगा। इस आईपीओ के तहत 2 रुपये फेस वैल्यू वाले 10.60 करोड़ नए शेयर जारी हो रहे हैं। इसके अलावा ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये भी 55.72 करोड़ शेयरों की बिक्री की जाएगी। आईपीओ खुलने से एक कारोबारी दिन पहले 3 नवंबर शुक्रवार को एंकर इनवेस्टर्स बोली लगा सकेंगे। ग्रो के प्लेटफॉर्म के जरिए म्यूचुअल फंड्स, शेयर, फ्यूचर्स एंड

ऑप्शंसस, इक्विटी ट्रेडेड फंड्स, आईपीओ, डिजिटल गोल्ड और अमेरिकी स्टॉक्स में निवेश किया जा सकता है। साल 2016 में शुरू हुए ग्रो प्लेटफॉर्म के पास फिलहाल 1.4 करोड़ से ज्यादा एक्टिव रिटेल इनवेस्टर हैं। इस आईपीओ में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए 75 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इसके अलावा रिटेल इनवेस्टर्स के लिए 10 प्रतिशत हिस्सा और नॉन इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (एनआईआई) के लिए 15 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व है। इस इश्यू के लिए कोटक महिंद्रा कैपिटल कंपनी लिमिटेड को बुक रनिंग लीड मैनेजर बनाया गया है। वहीं, एमयूएफजी इनटाइम इंडिया प्राइवेट लिमिटेड को रजिस्ट्रार बनाया गया है। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो प्रॉस्पेक्टस में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत में लगातार उतार-चढ़ाव होता रहा है।

'कल्कि 2898 एडी' के OTT क्रेडिट्स से दीपिका नाम हटा

फैंस में नाराजगी , फिल्म के मेकर्स पर गैर जिम्मेदाराना व्यवहार का आरोप

दीपिका पादुकोण का नाम फिल्म 'कल्कि 2898 एड' के एंड क्रेडिट्स से हटा दिया गया है, जो एक OTT प्लेटफॉर्म पर जारी है। इस बात पर उनके फैंस में नाराजगी फैल गई है क्योंकि उनका नाम हटाना उनके काम का सम्मान न करने जैसा है। फिल्म के निर्माताओं ने सितंबर 2025 में आधिकारिक रूप से बताया था कि दीपिका 'कल्कि' के सीक्वल का हिस्सा नहीं रहेंगी। इसके बाद यह खबर आई कि OTT रिलीज के बाद भी उनका नाम एंड क्रेडिट्स से हटाया गया है। फैंस का कहना है कि क्रेडिट्स केवल नाम नहीं, बल्कि सम्मान और जिम्मेदारी का प्रतीक होते हैं और दीपिका ने फिल्म में एक अहम भूमिका निभाई है, इसलिए उनके नाम को हटाना अनुचित है। हालांकि नेटफ्लिक्स और प्राइम वीडियो पर अभी भी फिल्म के कुछ संस्करणों में उनका नाम दिख रहा है, जिसके कारण यह विवाद गड़बड़ी या जानबूझकर नाम हटाने का मामला हो सकता है। यह मुद्दा सोशल मीडिया पर खूब चर्चा में रहा और निर्माताओं की काफी आलोचना हुई। इस विवाद से पहले सितंबर 2024 में मेकर्स ने आधिकारिक तौर पर घोषणा की थी कि दीपिका इस फिल्म के सीक्वल का हिस्सा नहीं रहेंगी। निर्माताओं का कहना था कि लंबी बातचीत के बाद साझेदारी नहीं बन पाई और वे दीपिका के भविष्य के लिए शुभकामनाएं देते हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, दीपिका ने फीस में 25% बढ़ोतरी और 8 घंटे की वर्क शिफ्ट की मांग की थी जिसे मेकर्स ने अस्वीकार कर दिया। बातचीत विफल होने पर उन्हें बाहर कर दिया गया। हाल ही में दीपिका ने CNBC-TV18 को दिए इंटरव्यू में बिना फिल्म कल्कि का नाम लिए कहा इंडस्ट्री में वेतन समानता और बेहतर वर्किंग कंडीशंस की बात खुलकर कही। उनका कहना था, "मैंने हमेशा अपनी लड़ाइयां शांति और गरिमा से लड़ी हैं। जो सही है, उसके लिए मैं हमेशा खामोशी से खड़ी रही हूं।" फैंस अब मेकर्स से मांग कर रहे हैं कि दीपिका का नाम OTT वर्जन के क्रेडिट्स में वापस जोड़ा जाए, क्योंकि यह सिर्फ एक नाम नहीं बल्कि कलाकार का सम्मान है।

गुडाचारी 2 की रिलीज तारीख का ऐलान, आमने-सामने दिखे इमरान हाशमी और अदिवी शेष

पिछले लंबे वक्त से अभिनेता अदिवी शेष अपनी आगामी पैन इंडिया फिल्म गुडाचारी 2 को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। यह साल 2018 में आई स्पाई थ्रिलर फिल्म गुडाचारी का सीक्वल है, जो बाक्स आफिस पर सुपरहिट साबित हुई। दिलचस्प बात यह है कि गुडाचारी 2 में अदिवी की भिड़ंत इमरान हाशमी से होने वाली है। वामिका गब्बी और मधु शालिनी भी इस फिल्म का हिस्सा हैं। अब गुडाचारी 2 की रिलीज तारीख से पर्दा उठ गया है। फिल्म से अदिवी की पहली झलक सामने आ गई है, जिसमें उनका धांसू अवतार दिख रहा है। वह हाथ में बंदूक लिए एक्शन मोड में दिख रहे हैं। अदिवी ने पोस्टर साझा करते हुए लिखा, मैं अब तक चुप था, क्योंकि हम कुछ धमाकेदार बना रहे हैं। 6 देशों में शूटिंग, 23 सेट, 150 दिन, 5 भाषाओं में रिलीज। मेरी अब तक की सबसे बड़ी फिल्म। गुडाचारी 2 को 1 मई, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा। जी2 तेलुगु, हिंदी, तमिल, काड़ और मलयालम भाषाओं में रिलीज़ होगी, जो फिल्म की अखिल भारतीय अपील को प्रदर्शित करेगी। पीपल मीडिया फैक्ट्री, अभिषेक अग्रवाल आर्ट्स और एके एंटरटेनमेंट्स के बैनर तले टीजी विश्व प्रसाद और अभिषेक अग्रवाल द्वारा निर्मित, यह फिल्म ज़बरदस्त एक्शन और रोमांचकारी दृश्यों से भरपूर होने का वादा करती है। अपने दमदार कलाकारों, वैश्विक निर्माण मूल्यों और महत्वाकांक्षी दृष्टिकोण के साथ, जी2 2026 की एक निर्णायक एक्शन थ्रिलर बनने की ओर अग्रसर है। जी2 के लिए प्रशंसकों में उत्सुकता बढ़ रही है। अपने वैश्विक निर्माण मूल्यों, ज़बरदस्त एक्शन और रोमांचकारी दृश्यों के साथ, जी2 एक क्रांतिकारी बदलाव लाने वाली फिल्म साबित होने की उम्मीद है।

धनुष ने साइन की एक और फिल्म, डी56 एक महान युद्ध की शुरुआत

रांझणा फिल्म से हर दर्शक के दिलों में खास जगह बना चुके साउथ अभिनेता धनुष अपनी कई आगामी फिल्मों को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। हाल ही में उनकी फिल्म तेरे इश्क में की एक झलक ने सभी फैंस को खुश कर दिया था। वहीं अब धनुष ने अपनी एक और आगामी फिल्म की घोषणा सोशल मीडिया पर की है, जिसकी एक झलक पाकर ही फैंस की उत्सुकता फिल्म को लेकर बढ़ गई है। धनुष ने अपनी आगामी फिल्म डी56 के बारे में एक्स पर एक पोस्ट शेयर किया है। इस पोस्ट में कई साल पुरानी एक तलवार दिखाई दे रही है, जिसके ऊपर कंकाल की खोपड़ी लगी हुई है। यह देखने में बहुत ही भयानक दिख रहा

है। इस तस्वीर के साथ लिखा है एक महान युद्ध की शुरुआत। यह फिल्म मारी सेल्वराज की फिल्म है। धनुष के फैंस को डी56 का थीम पोस्टर काफी अच्छा लगा। एक यूजर ने लिखा, मुझे इस फिल्म का इंतजार रहेगा, एक और यूजर ने लिखा, आल द बेस्ट धनुष, एक और यूजर ने लिखा, देखने में मजेदार लग रहा है। डी56 के नाम से साफ है कि यह धनुष की 56वीं फिल्म होगी। इस फिल्म का निर्देशन मारी सेल्वराज करेंगे। निर्माताओं ने थीम पोस्टर जारी करके फैंस की उत्सुकता को बढ़ा दिया है। डी56 एक ऐतिहासिक एक्शन ड्रामा फिल्म होगी। इस प्रोजेक्ट को वेल्स फिल्म इंटरनेशनल द्वारा बनाया जाएगा।

यामी गौतम और इमरान हाशमी की फिल्म हक का ट्रेलर रिलीज, 7 नवंबर को सिनेमाघरों में देगी दस्तक

बालीवुड अभिनेता इमरान हाशमी और यामी गौतम की आगामी कोर्टरूम ड्रामा फिल्म हक का ट्रेलर रिलीज कर दिया गया। इस आगामी फिल्म की कहानी शाह बानो बेगम केस पर आधारित है, जिसने अपने हक के लिए पूरे देश को हिलाकर रख दिया था। काफी समय से इमरान और यामी की इस फिल्म को लेकर काफी चर्चा बनी हुई है। आइए जानते हैं कि हक का ट्रेलर देखने के बाद लोगों ने क्या कहा है। हक का ट्रेलर देखने के बाद लोगों का कहना है कि यामी ने अपने अभिनय से चौंका दिया है। उन्होंने ट्रेलर देखने वाले हर किसी का ध्यान अपनी ओर खींचा है। एक यूजर ने लिखा, कितना शक्तिशाली प्रदर्शन है का ट्रेलर में। उन्होंने सबको चौंका दिया, लेकिन यामी जो भी भूमिकाएं निभाती हैं, उन्हें आत्मविश्वास और सहजता के साथ निभाती हैं और सभी में उत्कृष्ट प्रदर्शन करती हैं। लोगों का कहना है कि फिल्म में यामी से नजरें नहीं हटेंगी। हक का ट्रेलर देखने के बाद कुछ लोगों का कहना है कि उन्हें यामी और इमरान की जोड़ी काफी पसंद आई है। एक यूजर ने लिखा, लंबे समय के बाद इमरान अच्छे लग रहे हैं...

यामी इस कास्ट के लिए एकदम सही हैं, उन्होंने हालिया फिल्म में अपने अभिनय को साबित किया है। बता दें कि पहली बार फिल्मी पर्दे पर यामी और इमरान को एक साथ स्क्रीन साझा करते हुए देखा जाएगा, जिसके लिए लोग काफी उत्साहित हैं। हक में यामी बानो के किरदार में नजर आएंगी, जबकि इमरान उनके पति मोहम्मद अहमद खान के किरदार में हैं। फिल्म की कहानी एक ऐसी महिला बानो के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसका पति मोहम्मद तीन बच्चे होने के बावजूद दूसरी औरत के प्यार में पड़ जाता है। इस किरदार को वर्तिका सिंह ने निभाया है और ये उनकी डेब्यू फिल्म हैं। सुपर्ण वर्मा ने इस फिल्म का निर्देशन किया है। हक अगले महीने 7 नवंबर को सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

बाक्स आफिस पर थामा की गिर गई कमाई, एक दीवाने की दीवानियत का भी संघर्ष जारी

आयुष्मान खुराना और रश्मिका मंदाना की हारर कामेडी फिल्म थामा बाक्स आफिस पर अपनी पैठ जमाने में लगी हुई है। दूसरी ओर, हर्षवर्धन राणे और सोनम बाजवा की रोमांटिक ड्रामा फिल्म एक दीवाने की दीवानियत उसे टक्कर देने में लगी है। पहले वीकेंड पर दोनों की कमाई में उछाल देखी गई थी, लेकिन कारोबारी दिनों में लौटते ही इनकी कमाई में भारी गिरावट आई है। आइए देखें थामा और एक दीवाने की दीवानियत का ताजा कलेक्शन। सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक, आयुष्मान और रश्मिका अभिनीत थामा ने पहले सोमवार यानी रिलीज के 7वें दिन बाक्स आफिस पर 4.25 करोड़ रुपये का कारोबार किया है। वीकेंड पर छठे दिन फिल्म ने 12.6 करोड़ और पांचवें दिन 13.1 करोड़ कमाए थे। पिछले 7 दिनों में थामा ने सबसे कम कारोबार किया है, जिसके बाद

फिल्म की कुल कमाई 95.55 करोड़ रुपये हुई है। कथित 145 करोड़ का बजट पार करने के लिए थामा को और मेहनत करनी होगी। दूसरी ओर, हर्षवर्धन और सोनम की फिल्म एक दीवाने की दीवानियत का बाक्स आफिस संघर्ष लगातार जारी है। फिल्म की कमाई के ताजा आंकड़े सामने आ गए हैं। सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म ने रिलीज के 7वें दिन 3.35 करोड़ रुपये का कारोबार किया है। वीकेंड पर इसने छठे दिन 7 करोड़ और पांचवें दिन 6.25 करोड़ कमाए थे। एक दीवाने की दीवानियत का कुल कलेक्शन 44.85 करोड़ रुपये हो गया है।

कृति सेनन के लुक और स्टाइल की खूब तारीफ कर रहे फैंस

हाल ही में बॉलीवुड अभिनेत्री कृति सेनन यूएफसी 321 फाइट नाइट में नजर आईं, जहां उनके साथ अभिनेता वरुण धवन और उनके कथित बॉयफ्रेंड कबीर बहिया भी मौजूद थे। एक्ट्रेस कृति ने इस इवेंट की कुछ तस्वीरें अपने इंस्टाग्राम पर साझा कीं, जो देखते ही देखते सोशल मीडिया पर वायरल हो गईं। फैंस जहां उनके लुक और स्टाइल की तारीफ कर रहे हैं, वहीं कबीर के साथ उनकी केमिस्ट्री ने उनके अफेयर की खबरों को एक बार फिर हवा दे दी है। कृति सेनन ने फाइट नाइट के दौरान कैमोफ्लाज प्रिंट जैकेट और बैगी डेनिम में बेहद स्टाइलिश लुक अपनाया था। वहीं, कबीर बहिया व्हाइट टी-शर्ट के ऊपर मौवे जैकेट में नजर आए, जबकि वरुण धवन वाइन-रेड जैकेट और ब्लैक पैंट में काफी स्मार्ट दिखे। तस्वीरों में कृति दोनों के बीच बैठी नजर आईं, और एक तस्वीर में वह कबीर के साथ मुस्कुराते हुए पोज देती दिखीं। इन पलों ने फैंस के बीच यह अटकलें तेज कर दीं कि दोनों के बीच दोस्ती से बढ़कर कुछ चल रहा है। कृति ने अपनी पोस्ट के कैप्शन में लिखा, "अबू धाबी में फाइट नाइट एनर्जी! इन दोनों के साथ यूएफसी 321 का पागलपन देखकर रोमांचित हूं।" उनके इस कैप्शन ने सोशल मीडिया पर हलचल मचा दी। कई यूजर्स ने कमेंट सेक्शन में लिखा कि कृति और कबीर की जोड़ी काफी प्यारी लग रही है, वहीं कुछ फैंस ने पूछा कि क्या यह रिश्ता अब ऑफिशियल होने वाला है। गौरतलब है कि दोनों को इससे पहले भी कई बार साथ देखा गया है खासतौर पर कृति के घर पर आयोजित दिवाली पार्टी में, जहां दोनों की नजदीकियां चर्चा का विषय बन गई थीं। इवेंट के दौरान वरुण धवन और कृति सेनन की दोस्ती भी आकर्षण का केंद्र रही। दोनों ने फिल्म भेड़िया में साथ काम किया था और तब से उनकी बॉन्डिंग काफी मजबूत रही है। फाइट नाइट के दौरान दोनों ने कैमरे के लिए पोज दिए और जमकर मस्ती की, जिससे फैंस को उनकी ऑनस्क्रीन कैमिस्ट्री की याद आ गई। हालांकि कृति सेनन और कबीर बहिया ने अब तक अपने रिश्ते पर कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है, लेकिन दोनों को बार-बार साथ देखने से यह अटकलें और तेज हो गई हैं कि बॉलीवुड में एक नया कपल सामने आने वाला है। वर्कफ्रंट की बात करें तो कृति सेनन जल्द ही आनंद एल राय के निर्देशन में बनी फिल्म तेरे इश्क में में अभिनेता धनुष के साथ नजर आएंगी। यह फिल्म 28 नवंबर को रिलीज होगी।

From worker visa to H-1B: How changes in US visa rules will impact Indians

New Delhi, Agency: Over the last few months, the Trump administration has been introducing changes to various US visa systems, from halting worker visas for foreign drivers to ending automatic work permit renewals, resulting in a significant impact on Indians.

According to the data from the Office of Homeland Security, India was the largest overall sending country in fiscal year 2024, contributing 33 per cent of the total non-immigrant population in the United States.

India also accounted for a substantially larger portion of all temporary workers at 47 per cent. The DHS statistics stated that nearly 70 per cent of the Indian non-immigrants were temporary workers and 30 per cent were students.

A total of 11,90,000 Indian residents non-immigrant population were in the US in FY 2024.

Here's a look at the curbs imposed by the Trump administration on various visas and the impact they have had or are likely to have on Indians:

Worker visas for foreign workers halted

US President Donald Trump abruptly stopped issuing US visas for truck drivers on August 21, a move that came after a deadly crash involving an Indian driver residing illegally in the country drew national attention.

US State Secretary Marco Rubio had announced the latest move in an X post: "Effective immediately, we are pausing all issuance of worker visas for commercial truck drivers."

Citing reasons for the move, Rubio said that the rising number of foreign drivers operating large tractor-trailer trucks in America was "endangering American lives and undercutting the livelihoods of American truckers".

According to federal statistics, the number of foreign-born truckers in the US more than doubled between 2000 and 2021. While over half the foreign drivers come from Latin America, those from India and Eastern European nations also make up a sizeable number.

The number of Indian-American drivers in the US trucking industry rose substantially, particularly from the Sikh community. Tens of thousands of truckers in California are of Indian heritage. Many of whom are either Sikh immigrants or descendants actively involved in trucking businesses and truck stops.

These communities have filled the critical roles and gaps amid the longstanding driver shortage across the US.

The halt on worker visas for foreign drivers impacts Indians in a way that many might have already invested in processes related to the job. New student visa policy

Late in August, the Trump administration proposed a new US student visa policy that would create a fixed time period for F visas for international students, and J visas that allow visitors on cultural exchange programmes to work in the US.

The proposal brought in hurdles for international students, exchange workers, and foreign journalists, requiring them to apply for extensions to remain in America.

While student arrivals from India to the US have already halved this year, the new move has strived to add to the declining figure.

Tightened visa rules on interview appointments

On September 6, the US State Department updated its rules for non-immigrant visa applicants, tightening the norms for interview appointments.

The department said that the applicant for a non-immigrant visa (NIV) should schedule their visa interview at the US Embassy or Consulate in the country of their residence, adding that those who do it outside their nation will experience higher difficulty in qualifying for a visa.

The fee paid for the visa interview and application will also not be refunded, it added.

This means that Indian applicants will have to schedule their interview appointments within India. Earlier, they could book an appointment abroad to avoid the long wait for an appointment date in India.

The tightened visa rule implies that Indian applicants will have to wait months before their interview appointment.

H-1B visa fee hike and rules

On September 19, President Trump signed a proclamation increasing the fee for H-1B visas to $100,000, a move that took effect on September 21.

While the decision stirred global panic, including among Indians, the White House clarified that the payment was not an annual fee, but a one-time charge.

21 Maoists with weapons surrendered before police in Chhattisgarh

Chhatisgarh, Agency: In a major success with 21 Naxals surrendering before the Chhattisgarh Police, Bastar Inspector General (IG) P Sundarraj categorically stated on Wednesday that Naxalites must either "surrender" or "face combat" and "welcome those who surrender".

Speaking with ANI on Wednesday, Inspector General Bastar P Sundarraj said, "On 26 October, a total of 21 Maoists surrendered their weapons and joined the mainstream. Keshkal Division Committee Secretary Mukesh, along with 13 women cadres and 8 male cadres carrying 18 weapons, surrendered to join the mainstream. The administration is providing them with all kinds of assistance for their rehabilitation."

Earlier, Chattisgarh Chief Minister Vishnu Deo Sai on Sunday said that the "backbone of Naxalism is broken" after 21 Maoist cadres, including 13 women, surrendered in the Kanker district. Calling it a success of the 'Surrender and Rehabilitation Policy', the Chief Minister said that the "misled" youth is beginning to choose the path of development.

In an X post, CM Sai wrote, "The end of the anti-people Maoist ideology through 'Puna Margem,' Establishment of peace in Bastar.

2 killed, 4 injured as railway overbridge girder collapses in Madhya Pradesh's Pithampur

Bhopal, Agency: A truck driver and conductor was killed and four others were injured on Thursday morning after a girder being lifted by two cranes collapsed at the under-construction Sagaur Railway bridge in Madhya Pradesh's Dhar district, police said. Police have identified the deceased as Abhay Patidar, a mini-truck driver and Kalyan Singh, conductor. Four others who were injured and is currently undergoing treatment.

Two cranes were lifting a girder from both ends when one of the cranes, positioned on the Sagaur side, suddenly toppled. A Tata Magic and a pickup truck passing by were struck. A driver was pulled out, while two others were pulled

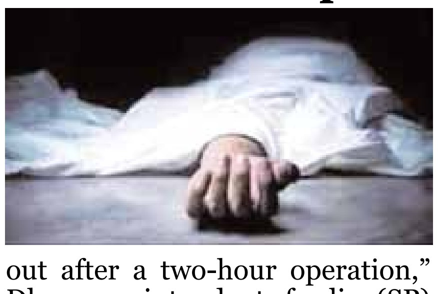

out after a two-hour operation," Dhar superintendent of police (SP) Mayank Awasthi said.

The railway overbridge, approximately 500 metres in length, in Pithampur's Sector 3, has been under construction for the past three years.

Local advocate Rajesh Chaudhary alleged that the incident was caused due to negligence by railway officials and the contractor.

Four-year-old boy crushed to death by reversing car in Noida, driver held

Noida, Agency: A four-year-old boy lost his life in Noida after being crushed by a car. The driver was reversing the car when he hit the child who was passing behind it. The driver was arrested after the incident, and the vehicle was seized by the police on Wednesday. A case was registered based on the complaint by the boy's father.

The incident took place in A Block of Sector 31 in Noida, news agency PTI reported, citing police officials. An FIR has been registered at Sector 20 police station in connection with the incident that took place on Wednesday night, they said.

DP Shukla, in charge of the Sector 20 police station, said that the driver, identified as Jayant Sharma, was reversing his car when the child who was passing behind it got hit and sustained serious injuries. The child was taken to a hospital, where doctors declared him dead upon arrival.

After the incident, police arrested the driver and seized the vehicle involved in the accident on Thursday. DP Shukla said, "Based on a complaint lodged by the boy's father, identified as Ashish, a case has been registered against the driver."

Further investigation into the matter is underway, police said. Man killed, 3 injured in hit-and-run Earlier on Wednesday, a 36-year-old man was killed and three others were injured after a speeding car hit two bikes at the Chaufatka Bridge in Uttar Pradesh. The car was under a Delhi registration number, and the driver fled the scene after the incident.

Mystery deepens in Kurnool bus fire as police suspect third vehicle involvement

New Delhi, Agency: Days after a massive fire in a sleeper bus in Andhra Pradesh's Kurnool district, police suspect the involvement of a third vehicle. Initial reports said the bus fire was triggered after it collided with a motorcycle that got dragged underneath it and hit the open fuel tank.'

There were 44 passengers in the bus and several managed to escape after breaking the windows. Police said probe revealed that the bus, operated by V Kaveri Travels, had run over a bike lying on the highway after it had met a road accident, following which fire erupted in the bus, leaving little to no time for the passengers, most of whom were asleep, to escape.

New details reveal that the bus had already met with an accident when it hit the motorcycle, PTI reported.

According to police, the skid marks of the Kaveri Travels bus were found slightly ahead of the spot where the two-wheeler initially fell killing it's rider on the spot, suggesting that the motorbike had moved a little further after the first impact.

The difference in the skid mark position of the bike indicates that another vehicle could have hit it before the bus ran over it," Kurnool district superintendent of police Vikrant Patil told PTI.

He said that the police are investigating to determine whether a third vehicle was involved in this accident.

The bus was also carrying a consignment of cell phones in its luggage department. Those, along with the electric batteries attached to the bus's AC system, are suspected to have caused the explosion in the bus as it ran over the bike.

Delhi riots conspiracy case: Police oppose bail, cite regime change plot

New Delhi, Agency: The Delhi Police on Thursday strongly opposed the release of student activists Umar Khalid, Sharjeel Imam, and three others booked under the Unlawful Activities (Prevention) Act (UAPA) in the 2020 Northeast Delhi riots conspiracy case, arguing before the Supreme Court that the alleged offences involved a deliberate attempt to destabilise the state and therefore warranted "jail and not bail".

In a 177-page affidavit filed a day before the matter is scheduled to come up for hearing, the police contended that the violence that unfolded in February 2020 was not a spontaneous escalation of protests against the Citizenship (Amendment) Act (CAA), but part of a coordinated "regime change operation" executed under the guise of civil dissent. The plan, according to the prosecution, aimed to ignite communal tensions during the visit of US President Donald Trump, so as to "internationalise" the unrest and project the Indian government as discriminatory.

The police submission comes two days after a bench of justices Aravind Kumar and NV Anjaria asked the enforcement agency to consider whether the accused, several of whom have spent nearly five years in judicial custody as undertrials, could be released on bail.

"See if you can think of something... five years are over already," the bench remarked on Monday, signalling that prolonged incarceration without substantive progress in trial may weigh in favour of temporary release.

Under ordinary criminal law, the principle is that bail is the rule and jail the exception. Under the UAPA, courts must first be satisfied that the allegations do not, even on a prima facie level, suggest involvement in terrorist activity before granting bail. The Delhi Police have argued that the threshold is not met here.

The affidavit, filed through advocate Rajat Nair, asserted that investigators have assembled ocular, documentary, and technical evidence to show that the accused were part of a "deep-rooted conspiracy" engineered on communal lines. Encrypted chats and messages, the police claim, indicate that the protests were calibrated to coincide with Trump's visit in February 2020 to ensure global visibility.

To strengthen its case that the violence followed an orchestrated pattern, the prosecution has pointed to incidents of unrest that broke out around the same time in parts of Uttar Pradesh, Assam, West Bengal, Karnataka, Kerala, Maharashtra, and Bihar, describing it as evidence of a "pan-India plan" rather than isolated flare-ups.

The affidavit blamed the accused of deliberately delaying the trial, asserting that proceedings for the supply of documents alone took 39 hearings across two years, while framing of charges has been held up for nearly 50 hearings. The Delhi high court, in a judgment last month, had similarly remarked that the defence had contributed to the delay. The prosecution has alleged that the petitioners suppressed this finding while approaching the Supreme Court.

The accused, Khalid, Imam, Meeran Haider, Gulfisha Fatima, and Shifa-ur-Rehman, have maintained that they were exercising their right to peaceful protest and that the "larger conspiracy" case is an attempt to criminalise dissent. They argue that indefinite incarceration without trial amounts to punishment before conviction.

The Supreme Court is expected to examine both the question of delay and the legal threshold under UAPA, making Friday's hearing significant for the trajectory of the case.